

Vol. II,
No. 20



Saturday
5th July, 1952

HYDERABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY DEBATES

Official Report

Hyderabad Legislative Assembly LIBRARY.	
CLASS NO.	
Class No.	
Book No.	

Starred Questions and Answers	1258-1262
Business of the House	1262-1264
L. A. Bill No. IX of 1952, a Bill to amend the Hyderabad Abkari Act, 1316 F. (Passed)	1264-1267
L. A. Bill No. XII of 1952, a Bill to Amend the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker's and Deputy Speaker's) Salaries Act, 1952 (Passed)	1267-1283
L. A. Bill No. XIII of 1952, a Bill to provide the Allowances of the Chief Minister and other Ministers of State of Hyderabad and matters connected therewith (Passed)	1284-1305

Price: Eight Annas.

HYDERABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY

Saturday, 5th July, 1952

(TWENTIETH DAY OF THE SECOND SESSION)

The House met at Two-of the Clock

[MR. SPEAKER IN THE CHAIR]

Starred Questions And Answers

Mr. Speaker: Let us take up questions

Dubbak Local Unit

*168: Shri A. Gurva Reddy (Siddipet): Will the hon. Minister for Agriculture and Supply be pleased to state:

(1) Whether there are any dues to anybody in the Dubbak Local Unit (Siddipet Taluq)?

(2) If so, what is the amount and since what date are they due?

اگر یکچرا اینڈ سپلائی منسٹر (ڈاکٹر چٹا ریڈی) - جی ہاں - لیکن یہ بقایا کسی خاص شخص سے وصول شدتی نہیں ہے بلکہ لوکل یونٹ سے وصول طلب ہے۔ رقم بقایا جو تقریباً ۱۲۰۰۰ روپے ہے وہ سنہ ۱۳۵۶ء تا ۱۳۵۹ء کی بابت ہے۔

شری گرواریڈی - کیا یہ صحیح ہے کہ حکومت کے وہ صاحب جنکے ذمہ لوکل یونٹ تھا بھاگ گئے ہیں۔

ڈاکٹر چٹا ریڈی - میں نے ابھی جواب دیا ہے۔

شری کے۔ وینکٹ رام راؤ (چناکنٹور) - کیا وصولی کی کوئی کارروائی کی جارہی ہے؟

ڈاکٹر چٹا ریڈی - حیدرآباد کمرشیل کارپوریشن جس طرح بزنس کا حساب دیکھکر کارروائی کرتی ہے اسی طرح عمل کیا جا رہا ہے۔

شریمتی لکشمی بائی (ہانسواڑہ) - کیا آنریبل منسٹر کو یہ معلوم ہے کہ حکومت لوکل یونٹس کے لئے ۱۲۰۰۰ روپے دھڑوت مانگتی ہے، چنانچہ نظام آباد میں مل اوٹر کے ساتھ ایسا عمل ہوا ہے؟

(Specific Case) ڈاکٹر چناریڈی - اسٹوڈنٹ ایسوسی ایشن کیس
ممبر کے سامنے نہیں ہے - نوٹس دیجئے -

شری سی۔ ایچ۔ وینکٹ رام راؤ (کریم نگر) - ایسے کتنے کیسز آئریبل منسٹر
کے پاس ہیں ؟

ڈاکٹر چناریڈی - دو یا (سدی بیٹھ) کا ایک ہی کیس ہے -

آئی. مانیکچند پھادے (فوکلری) : لوکل یونٹس کے ریمے باقی کون ہیں ؟

ڈاکٹر چناریڈی - بے نہیں تھے اسلئے باقی ہیں -

آئی. مانیکچند پھادے : کیا کوریپوریشن کے پاس ابھی تک پیسے نہیں ہیں ؟

ڈاکٹر چناریڈی - عام طور پر لین دین میں ایسا ہوتا ہی ہے - لکھتی ہیں اور
ڈروڈ بھی ایسا کرتے ہیں -

شری سی۔ راجہ رام (آرمور) - مجھے اس سلسلہ میں کچھ کہنا ہے - آئریبل منسٹر نے
یہ کہا کہ بڑے بڑے ساہوکاروں کے پاس بھی ایسا ہوتا ہے - تو کیا کمرشیل کارپوریشن
بھی ٹوٹی ساہوکاری دھندہ ہے ؟

ڈاکٹر چناریڈی - آئریبل ممبر کو سوچ کر نتیجہ نکال لینا چاہئے -

شری کے۔ وینکٹ رام راؤ - کیا کمرشیل کارپوریشن کے حسابات کا ابھی تصدیق
نہیں ہوا ؟

ڈاکٹر چناریڈی - ہو رہا ہے -

شری کے۔ وینکٹ رام راؤ - کتنا وقت لگے گا ؟

ڈاکٹر چناریڈی - میں سمجھتا ہوں کہ بہت تھوڑے ہی عرصہ میں تصدیق ہو جائیگا -

Mr. Speaker . Let us proceed to the next question.

Backward Classes

*307. Shri Narendra (Karvan): Will the hon. Minister for Social Service be pleased to state:

(1) Whether a list of backward classes has been prepared by the Government ?

(2) If so, what is the number of classes included in the list ?

(3) What steps have been taken or are proposed to be taken by the Government to ameliorate the lot of backward classes economically, socially and educationally ?

मिनिस्टर फॉर सोशियल सर्विस (श्री. शंकरदेव): प्रश्नके प्रथम विभाग का उत्तर है, जी हाँ। सरकार ने विछडी जातियों की नामावली तयार की है।

(२) जिसमें सोडयुल्ड ट्रायब्स वर्गात्तु कन्व जाती ९, सोडयुल्ड कास्टस् ३२, और बॅकवर्ड क्लासेस ५३ है।

(३) जिन विछडी जातियोंके आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक प्रगतीके योजनाओं को तयार करने के लिये सरकार विचार कर रही है। वर्तमान में बंजारों की अपलिफ्ट (uplift) के लिये सन १९४६ अ. से काम हो रहा है। और जिनके ताँडों में शिक्षा दीजारही है। जिस तरह वेल्फेयर कोवार्पेटिव्ह ऑरगनायजेशन और रीहॅबिलिटेशन का काम हो रहा है। जिस प्रकार नलगुंडे जिले में भी काम किया गया है। बाकी जातियों के सिलसिले में सरकार सोच रही है।

श्री. नरेंद्र (कारवान): जो नामावली तयार की गई है क्या जिस की तयारी में आनरेबल मिनिस्टर ने जिन क्लासेस के लोगों की सहायता ली है?

श्री. शंकरदेव: हमारी दृष्टि में बॅकवर्ड क्लासेस के जो अच्छे अच्छे नुमायंदे थे उनको मुलाया गया और हर बॅकवर्ड क्लास के रिप्रॅजेंटेटिव्ह और सेन्सस कमिशनर जिस नामावली कमेटी में मौजूद थे। जिन्होंने यह नामावली बनायी है। अगर कोई व्यक्ति यह चाहे कि जिस नामावली में किसी और को भी लिया जाय तो जिस पर विचार किया जायेगा।

श्री. नरेंद्र: क्या आनरेबल मिनिस्टर बतला सकते हैं की जिनकी शिक्षा के संबंध में क्या काम किया गया है?

श्री. शंकरदेव: अभी अभी नामावली तयार की गई है। क्या क्या शिक्षा दी जायगी, जिस पर और युनिव्हर्सिटी शिक्षा पर भी विचार किया जा रहा है। जब यह निश्चित हो जायगा तो जिस के अनुसार काम किया जायगा। युनिव्हर्सिटी को आर्डर भी चले गये हैं।

श्री. नरेंद्र: जिनके लिये फ़िना फंड बजेट में रखा गया-है?

श्री. शंकरदेव: आप स्वयं जानते हैं कि जिस साल स्टेट का बजेट डेफिसिट में जा रहा है। जिस लिये जिस वर्ष गवर्नमेंट ऑफ बिडिया पर निर्बहुण है।

श्री. विरबंदरप्राथिल (आल्ह)- यूनियर्सिटी में कितने प्रोफेसर सिट्स आँके लै रक्खे गئے हैं ?

श्री. शंकरदेव: अभी जिस का तयफिया नहीं हुआ।

श्री. लक्ष्मण कुण्डा (आصف़ाबाद-एम)- गवर्नमेंट सर्विसिस में کیا आँके सान्हा خصوصی سلوک کیا جائیگا اور کتنی سیٹس ان کے لئے روزرو کی گئی ہیں ?

श्री. शंकरदेव: जिस के बारे में गवर्नमेंट सोच रही है।

श्री. नरेंद्र: क्या यह सही है कि आनरेबल मिनिस्टर के पास भारत सरकार से सक्कुलर आया है कि बॅकवर्ड क्लासेस को मुलाजमत में १२ प्रतिशत सीट्स दिये जायें और जिस सक्कुलर की बिना पर आनरेबल मिनिस्टर से प्रार्थना भी की गयी थी, लेकिन ज़ुते अवीकार किया गया ?

श्री. शंकरदेव : बॅंकवर्ड क्लासेस के संबंध में गवर्नमेंट ऑफ बिडिया ने कोअ्री ऑर्डर्स नहीं दिये हैं बल्कि वो कुछ आर्डर्स हैं वे सेबुलकास्ट के बारे में हैं ।

श्री. लक्ष्मी बाई - जर सचार्प नैबी है کیا اس میں نیچے نمائندے یا ک ورڈ کلاس کے بھی ہیں ؟

श्री. शंकरदेव : न तो स्कॉलरशिप दिया जाता है और न तो कमेटी है।

श्री. मधुराव ठाकुर (हंकोली-मफोळ) - याक वर्ड क्लास के लिये आरिबल मस्टर ने जो कमेटी बनाई है त्या अके वर्गकाम के बारे में مشور के लिये ان क्लास के نمائندों کو بھی لیا گیا ہے ؟

श्री. शंकरदेव : अगर उत्तर ध्यान से सुनते तो अवश्य जिसका जवाब मिल चुका होता ।

श्री. वी. डी. - डिस्पान्डे (आगुर्) - आरिबल मस्टर का जवाब था कि अर्जे अर्जे लोगो से مشور लिया गया - अर्जे अर्जे लोगो से आरिबल मस्टर का क्या مطلب है ?

श्री. शंकरदेव : मैं ने कहा था कि बॅंकवर्ड क्लासेस के रिप्रजेंटेटिव (Representative) सेन्सेस कमिशनर और गवर्नमेंट आफिसर्स ने यह काम किया है ।

श्री. लक्ष्मण कोण्डा - आन्दे अके حقوق की حفاظत के लिये क्या इसी तरह की कमेटी बनाई जायेगी जिस में याक वर्ड क्लास के भी नमैन्दे हों ?

श्री. शंकरदेव : मैं जिस सजेसन का स्वागत करता हूँ ।

श्री. प्रियदर्शन (Representatives) - याक वर्ड क्लास के रिप्रजेंटेटिव (Representatives) कौन हैं और अर्जे कसें ठहरे ?

श्री. शंकरदेव : यह बात म्युचुअली (Mutually) डिसाइड की गयी है । यह सवाल ऐसा है कि बॅंकवर्ड क्लासेस ही जिसे तय करलें। बॅंकवर्ड क्लासेस के बारे में तय करने के लिये रिप्रजेंटेटिव बुलाये गये हैं; और रिप्रजेंटेटिव के लिये बॅंकवर्ड क्लासेस को देखना पड़ता है। जिस लिये यह प्रबल ऐसा है कि खुद अपने आप ही अपने को समाप्त करता है।

श्री. वी. डी. - डिस्पान्डे - याक वर्ड क्लास के रिप्रजेंटेटिवों ने के बाद क्या अर्जे ने ये बतलाया कि अर्जे याक वर्ड क्लास में हैं ?

श्री. शंकरदेव : जिन्होंने बताया भी है और मैं ने सजेसन मांगे भी हैं जिन्हें गवर्नमेंट मानन के लिये तयार है।

श्री. के. - विन्कट राम राव - पुलिस अक्शन से पहले याक वर्ड क्लास की लैस बनाई गयी थी - क्या ये वही लैस है ?

श्री. शंकरदेव : जिस से बिन्न है।

श्री. नरेंद्र : जिस नामावली का अभी आपने जिक्र किया था क्या वह पत्रकर सुना सकते हैं ?

श्री. शंकरदेव : वह ५३ जातीयों की लंबी लिस्ट है, पढ़ने में देर होगी।

श्री. नरेंद्र : क्या वही लिस्ट है जो समाचार पत्रों में आजी बी?

श्री. शंकरदेव : जी हां ।

شری داجی شنکر (عادل آباد) - کیا گونڈوں کے لئے بھی کوئی اسکیم ہے ؟

श्री. शंकरदेव : यह सोड्युलड कास्टस् ट्रायिन्स में आते हैं जिनके लिये भी स्कीम है ।

شری داجی شنکر - اور لمباڑوں کے لئے ؟

श्री. शंकरदेव : यह फेडरिस्ट जाया हुआ है। गवर्नमेंट ऑफ बिडिया बैकवर्ड क्लासेस की लिस्ट तयार करती है; किसी स्टेट गवर्नमेंट नहीं करती। जिस बारे में मैं ने जो प्रेस नोट भेज दिया है जिस को रेफर कीजिये। यह प्रेस नोट गवर्नमेंट ऑफ बिडिया को भी भेजा गया है। वह नोटिफाय करेगी।

شری نارائن راؤ ترسنگ راؤ (بلوچ) - بیاک ورڈ کلاسز کا کرائیئرین (Criterion) کیا ہے ؟ کیا دعویٰ حجام بھی اسی لسٹ میں آتے ہیں ؟

श्री. शंकरदेव : बैकवर्ड क्लासेससे मुराद वैसी जातियां हैं जो कलचरली और अश्व्यु केशन की बहुत जियादा बैकवर्ड न हों। असल में बैकवर्ड क्लासेस गलत फहमी पैदा करने वाला शब्द है। बैकवर्ड क्लासेस में तीन जातीयां आती हैं। एक वह है जो सांस्कृतिक दृष्टि से पीछे है। वह हैं वन्य जातीयां जिनको सोड्युलड ट्रायिन्स कहा जाता है। एक वह हैं जो सामाजिक दृष्टि से बिछड़े हुए हैं। वह हैं सोड्युलड कास्टस् जिनको अछूत जातीयां कहा जाता है। एक वह हैं जो सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से बहुत जियादा बिछड़ी नहीं हैं बल्कि जिनकी तालिमी और आर्थिक हालत पीछे है, जिनको बैकवर्ड कहा जाता है। जिन में ५३ जातीयां हैं।

Mr. Speaker : When the list is published in the Gazette, the hon. Member will be in a position to know who belong to backward classes.

شری بی۔ ہنمنت راؤ (ملک) - کیا بیاک ورڈ کلاسز کے لئے بھی کوئی ری ہیبیلیٹیشن اسکیم (Rehabilitation Scheme) ہے ؟

श्री. शंकरदेव : बैकवर्ड क्लासेस के लिये रोहूबिलिटेशन स्कीम (Rehabilitation Scheme) नहीं है।

Mr. Speaker : Next Question, Shri L. B. Konda.

Loans by Government

*282. *Shri Lakshman Konda* : Will the hon. Minister for Rural Reconstruction be pleased to state :

(1) Whether a demand has been made continuously since a long time by the Hyderabad Hand Loom Weavers' Central Co-operative Association Ltd., to the Government for either advancing a loan to the extent of Rs. 30,00,000 or to stand as security with the Banks for loans to the above extent ?

(2) If so, what steps have the Government taken in this regard ?

رورل ریکانسٹر کیشن منسٹر (شری دیوی سنگھ چوہان) - پہلے حصہ کا جواب یہ ہے کہ گورنمنٹ نے پاس ایسے ڈیمانڈس آرہے ہیں - دوہرے حصہ کا جواب یہ ہے کہ گورنمنٹ اس پر غور کر رہی ہے۔

شری لکشمین کونڈا - ڈیمانڈس (Demands) آکر کتنے پہنچے ہوئے؟

شری دیوی سنگھ چوہان - سپینہ دیڑھ سپینہ ہوا ہوگا۔

شری لکشمین کونڈا - کیا یہ صحیح ہے کہ ایسے ڈیمانڈس آکر چار چھ سپینے ہوئے ہیں اور یہ تحریری طور پر دئے گئے ہیں ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اخبار میں ایسے اسٹیٹمنٹس (Statements) آئے ہونگے۔

شری لکشمین کونڈا - میں نے خود آنریبل منسٹر کو تحریری طور پر دیا ہے۔

شری دیوی سنگھ چوہان - ریگولر پروسیجر (Regular Procedure) کے تحت آفس کی طرف سے آدھ دو سپینے ہوئے ہیں۔

سٹی. مہند: کیا ایسے پہلے ہی گورنمنٹ کی جانب سے کچھ کے طور پر رقم لیگائی ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اس سے پہلے مارکیٹنگ کوآپریٹو ڈیولپمنٹ فنڈ (Marketing Co-operative Development Fund) سے ساڑھے بارہ لاکھ روپیہ مختلف توارچ میں ویورس اسوسی ایشن (Weavers' Association) کو دئے گئے۔ اور گورنمنٹ کے فنانس ڈپارٹمنٹ سے ساڑھے تین لاکھ روپیہ دئے گئے۔ اسکے علاوہ کوآپریٹو ڈومینین بینک جو گورنمنٹ بینک تو نہیں ہے لیکن جو کوآپریٹو ڈپارٹمنٹ کا ایک جزو ہے اس میں سے ۵ لاکھ روپیہ دئے گئے اور اب تک مارکیٹنگ ڈیولپمنٹ فنڈ کو ساڑھے بارہ لاکھ اور کوآپریٹو ڈومینین بینک کو ڈھائی لاکھ واپس کئے گئے ہیں۔

شری لکشمین کوٹڈا - کیا یہ صحیح ہے کہ کسی سال زائد از ۳۰ ہزار سود دیا گیا ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - ۳۰ ہزار روپیہ ؟ ایک تاریخ کو (۸-۱۰-۱۹۶۶) سود وصول ہوا اور دوسری تاریخ پر (۱۰-۱۰-۵۵) روپیہ سود وصول ہوا ؟

شری نرہر : کجا دیتے بکت کین کین بومرکا کھیا راکر دیا جاتا ہے؟

شری دیوی سنگھ چوہان - داورس کے کوآپریٹو انشورنس کے مومٹ کوڑھانے کے لئے دیا جاتا ہے -

شری بابی ریڈی (ابراہیم ن - عام) - پریس نوٹ نمبر ۵ میں جو وجوہات بتائے گئے ہیں کیا اس میں یہ بھی بتایا گیا ہے کہ قرضہ کیوں نہیں دیا جاتا ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اس پریس نوٹ میں وجوہات نہیں بتائے گئے ہیں کہ قرضہ کیوں نہیں دیا جاتا - صرف اس میں یہ کہا گیا ہے کہ گورنمنٹ اس پر سوچ رہی ہے -

شری نرہر : کیا ایس کمیونیکے میں یہ نہیں کہا گیا ہے کہ ایکساٹ باکاپوا بکول نہیں ہو رہے ہیں ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - جدید قرضے جو تین چار مرتبہ دئے گئے ہیں انکے اقساط اور ریش آف انٹرسٹ الگ الگ ہیں - ان میں سے ڈھائی لاکھ قرضہ واپس ہوا ہے اور سود کے طور پر (۸۰۰۵) روپیہ ملے ہیں - باقی انٹرسٹ کے انسٹالمنٹس (Instalments) ڈیو (Due) ہیں -

شری لکشمین کوٹڈا - فنانس ڈپارٹمنٹ سے جو رقم دیگئی تھی اس کا کتنا سود دیا گیا ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اس کے لئے نوٹس کی ضرورت ہے -

شری لکشمین کوٹڈا - کیا یہ صحیح ہے کہ کوآپریٹو کا سال جون میں ختم ہوتا ہے اور اسکے بعد بے منٹ ہوا ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - کوآپریٹو اور (Co-operative year) جون میں ختم تو ہوتا ہے - لیکن یہ قرضہ جات مختلف اثیشس کے تحت دئے گئے ہیں - یہ سوال اصلی سوال سے کوئی سمبندھ نہیں رکھتا -

شری لکشمین کوٹڈا - کیا آنریبل منسٹر کے پاس اس کا کوئی ریکارڈ ہے کہ کوآپریٹو اسوسی ایشن نے شرائط کی خلاف ورزی کی ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - یہ سوال متعلق

Mr. Speaker : The point is, questions should be put only to get information and not to cross-examine. I want to bring this fact to the notice of the hon. Members.

Shri Papireddy : Press Note, May 17, 1952, is as follows :

"Steps are being taken to assess the financial position of the Association in order to ascertain whether the Association will be able to meet its liabilities as the Association has not made any payments towards principal and interest. It will not be possible to advance further loans to the Association unless it is established that the amounts advanced are being judiciously spent and profitably invested".

کیا اسکے بارے میں منسٹر صاحب صراحت کرینگے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اسکے بارے میں آنریبل ممبر کیا وضاحت چاہتے ہیں ؟

شری وی۔ ڈی۔ ڈیٹپانڈے - یہ بتایا جائے کہ جو خرچ ہو رہا ہے وہ جوڈیشیسی (Judiciously) ہو رہا ہے یا نہیں ؟

Mr. Speaker : That is the hon. Member for Ibrahimpatan's question.

شری پاپی ریڈی - اس پریس نوٹ میں یہ شبہ ظاہر کیا گیا ہے کہ یہ رقم جوڈیشیسی خرچ نہیں ہو رہی ہے - میں یہ معلوم کرنا چاہتا ہوں کہ وہ کس طرح خرچ ہو رہی ہے اور اسکے ریزنس (Reasons) کیا ہیں ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اسٹینٹ میں جو کہا گیا ہے اس پر شبہ کرنے کی ضرورت نہیں ہے - لینانٹیل پوزیشن کا اسیمنٹ (Assessment) کرنے کے بعد یہ دیکھا جاتا ہے کہ انکو مزید کتنا قرضہ دیا جانا چاہئے -

شری لکشمین کونڈا - سوال کا دوسرا جزو یہ ہے کہ کیا اسٹس لئے جا رہے ہیں ؟ آنریبل منسٹر نے جواب میں کہا کہ سوچا جا رہا ہے - اگر سوچا جا رہا ہے تو کب تک سوچا جائیگا ؟

Shri Devi Singh Chauhan : As soon as possible. The matter will be decided.

شری اننت ریڈی (بالکنتھ) - کیا آنریبل منسٹر یہ بتا سکتے ہیں کہ ویس اسوسی ایشن کی ممبر شپ کتنی ہے ؟

شری دیوی سنگھ چوہان - اس کے لئے نوٹس کی ضرورت ہے -

آئی. نرہدر : क्या दुबारा कर्जा देनेसे पहले पिछले हिसाबों की जांच कर ली जाती है ?

شری دیوی سنگھ چوہان - کافی جانچ کر لی جاتی ہے -

آئی. नरेंद्र : आगे के कर्ज की तमानियत के लिये क्या शरयत सुकर किये जाते हैं ?

Shri Devi Singh Chauhan : The matter is under consideration and it cannot be disclosed.

श्री. नरेंद्र : यह बात है तो कम्युनिके निकालनेकी क्या जरूरत थी?

श्री दीवी سنگू चोहान - बल्क में शकूक و شبہات پیدا ہو رہے تھے - اسلئے ہوزیشن کو صاف کرنے کے لئے نکالا گیا ہے -

श्री. लक्ष्मीनिवास गनेरीवाल (रामान्नथपेट) : क्या कम्युनिके निकालने कि वजह से बस असोसियेशन को धक्का नहीं पहुंचा ?

श्री दीवी سنگू चोहान - ایسا نہیں ہوا ہے -

श्री लक्ष्मण कुण्डा - کیا یہ صحیح ہے کہ کمیونکے میں یہ جو کہا گیا ہے کہ نہ کوئی قسط دی گئی اور نہ کوئی سود دیا گیا ؟ اسکو میں نے چیلنج کیا تھا پھر میں بھی دیا تھا اور خود آنریبل منسٹر سے بھی ملکر کہا تھا -

श्री दीवी سنگू चोहान - کمیونکے میں جو کچھ کہا گیا ہے وہ بڑی حد تک درست ہے -

श्री पापी रेड्डी - مئے سنہ ۵۲ کے پریس نوٹ میں جو اسرٹین (Ascertain) کیا گیا ہے اسکی ہوزیشن کیا ہے ؟

श्री दीवी سنگू चोहान - آنریبل ممبر کے سوال کو نہیں سمجھا -

Shri Papi reddy : I want to know whether for this year the Government has ascertained the liabilities of the Association ?

Mr. Speaker : Does the hon. Member mean for the period of 6 or 7 weeks ?

Shri Papi reddy : Yes.

श्री दीवी سنگू चोहान - ہر ہفتہ میں یا ہر مہینے میں کوآپریٹو سوسائٹی کے آڈیٹر جا کر انسپکشن نہیں کرتے بلکہ سال میں ایک مرتبہ آڈٹ ہوتی ہے -

श्री लक्ष्मण कुण्डा - کیا گزشتہ تین مہینے کے حسابات کے رجسٹرات آنریبل منسٹر نے دیکھے ہیں ؟

Shri Devi Singh Chauhan : It is not a departmental official audit.

श्री पापी रेड्डी - کیا اور بھی کچھ ایسے ویورس اسوسی ایشن ہیں جنکو حکومت نے مدد دی ہے ؟

श्री दीवी سنگू चोहान - جو اسوسی ایشن اس کے ممبرس ہیں وہ ایک یا دو ہزار ہونگے - انکو مدد دی گئی ہے -

श्री. नरेंद्र : क्या यह सही है कि असोसियेशन के मेम्बरों को करजा न देने के सिलसिले में हुक्मतको धमकियां दी गयी है ?

श्री. दीपू سنگू चोहान - اخبارات میں کچھ ایسی باتیں آئی ہیں جن پر حکومت کو غور کرنے کی ضرورت نہیں ہے۔

श्री. नरेंद्र : क्या किसी वजहसे हुक्मत को कम्युनिके निकालनेकी जरूरत महसूस हुयी ?

श्री. दीपू سنگू चोहान - اخباروں میں کچھ شبہات کا اظہار کیا جا رہا تھا۔ انکو صاف کرنے کے لئے لمیونکے نکالا گیا ہے۔

श्री. वी. डी. - दृष्टान्द - میرا سوال یہ ہے کہ کمیونکے جو گورنمنٹ نے نکالا ہے اس میں صاف صاف لکھا ہے کہ -

“ It will not be possible to advance further loans to the Association unless it is established that the amounts advanced are being judiciously spent ”.

آنریبل منسٹر سے دریافت کرنا چاہتا ہوں کہ کمیونکے میں ” جوڈیشیلسی “ کہا گیا ہے۔ کیا اسکے یہ معنی لئے جاسکتے ہیں کہ لوئس (Loans) ٹھیک طرح سے استعمال نہیں کئے جا رہے ہیں ؟

Shri Devi Singh Chauhan : I cannot guarantee the authenticity of the statement referred to just now. It is for the Members to form their own opinion.

Shri V.D. Deshpande : It pertains to the hon. Minister's own department, Rural Reconstruction Department. He should be able to throw light on that, when he is making such serious allegations.

Shri Devi Singh Chauhan : The hon. Members can make out from the above for themselves.

Shri Papi Reddy : We only understand that it is not being spent judiciously.

Mr. Speaker : That is a matter of opinion. Time is over. Now let us proceed to the next business.

Business of the House

Mr. Speaker : The next item on the Agenda is third reading of the L. A. Bill-No. IX of 1952, the Hyderabad Abkari (Amendment) Bill of 1952.

Dr. Chenna Reddy: Mr. Speaker, Sir, I would like to make a statement on the floor of the House.

Under circumstances beyond our control, the Government of Hyderabad were sometime back obliged to increase the prices of foodgrains supplied to consumers. Detailed reasons for the same were given in our Press Note, dated 6-6-1952, on the subject. It will be recalled that, although prices were increased, the increase was kept to the barest minimum possible and was so worked out as to cause no increase at all in the prices of millets, which constitute the principal foodgrains consumed by the masses.

Intimation was received from the Government of India subsequently (on 17-6-1952) of a proposal under consideration to reduce the pool prices of wheat. Most of our imported wheat, however, had already arrived by the time this intimation was received, and normally the price reduction offered by the Government would not, under the circumstances, have been of any avail. The matter was taken up again with the Government of India and a request was made that the proposed price reduction should be given effect to retrospectively. The Government of Hyderabad are happy to announce that this request has been acceded to and the Government of India have given their consent to make the price reduction effective from 1st March, 1952.

The benefit of this reduction is being immediately transferred to the consumer and the prevailing prices of imported wheat, which were increased by about 83 per cent, from 8-6-1952, are being reduced by about 8%.

The subsidised price of imported wheat prior to the withdrawal of subsidies used to be I. G. Rs. 14-14-0 per maund. This, after the withdrawal of subsidies, rose to I. G. Rs. 20-8-0 per maund. The new price, information about which has just been received telegraphically from the Government of India, is I.G. Rs. 18-8-0 per maund. The selling price in Hyderabad before the withdrawal of subsidies used to be O. S. Rs. 0-8-0 per seer retail. This was increased to O.S. Rs. 0-10-8 per seer following the withdrawal of subsidies and subsequent enhancement of pool prices of imported foodgrains. The new prices, details of which are being worked out will be finalised in a couple of days and they are likely to be in the neighbourhood of As. 10 per seer. The original increase was 83 per cent. The increase after the proposed reduction will be in the neighbourhood of 25 per cent.

Government's decision regarding the withdrawal of the compulsory lifting of wheat quota from the ration shops has also already been made known to the public.

Mr. Speaker : This should be placed on the table of the House.

شری وی۔ ڈی۔ دیشپانڈے - جوڈکشن (Reduction) کیا گیا ہے کیا وہ پرمیننٹ (Permanent) رہیگا یا ٹمپوری (Temporary)؟

Dr. Chenna Reddy : Mr. Speaker, Sir, I think there should be no discussion on the statement made by me just now.

Shri V. D. Deshpande : I am asking for information.

Shri G. Rajaram : Will it not be possible for the hon. Minister to supply a copy of the statement?

Mr. Speaker : It is placed on the table of the House. We shall now take up the third reading of L. A. Bill No. IX of 1952, a Bill to amend the Hyderabad Abkari Act, 1316 F.

L. A. Bill No. IX of 1952, a Bill to amend the Hyderabad Abkari Act, 1316 F.

اکسائز کسٹمز اینڈ فارسٹس منسٹر (شری وینکٹ رنگا ریڈی) میں مسودہ قانون آبکاری نشان (۹) ہاتھ سنہ ۱۹۵۲ ع کی تھرڈ ریڈنگ کے لئے شریک کرتا ہوں۔
شری پانی ریڈی - مسٹر اسپیکر - میں اس بل کے بارے میں مباحثہ سنتا رہا۔ اب یہ بل فائنل اسٹیج پر ہے۔ اس سلسلے میں ہمیں جو آئینی پیچیدگیاں ہونگی انہیں بھی دیکھنا ہوگا۔ ہمیں یہ بھی دیکھنا ہے کہ انجوائٹنگ پراویسیس میں کیا عمل ہو رہا ہے وہاں کا پوزیشن کیا ہے اور یہاں کا پوزیشن کیا ہے؟
مسٹر اسپیکر - میں ہاؤس کی توجہ رول (۹) کلاز (۳) کی طرف مبذول کرانا چاہتا ہوں۔

Rule 97, clause (3) :

“(a) On the motion for the third reading of a Bill, only verbal amendments or amendments consequential to the amendments made in the Bill when the Bill was read clause by clause, may be moved.”

“(b) No notice of such amendments shall be required.”

“(4) If the motion for third reading is carried, the Bill shall be deemed to have been passed.”

میں سمجھنا ہوں اسکو پیش نظر رکھ کر ٹسکشن کیا جائے تو مناسب ہوگا۔

شری پاپی ریڈی۔ مسٹر اسپیکر۔ اس بل کی سکنڈ ریڈنگ ہو چکی ہے اور اب یہ تھرڈ ریڈنگ کے اسٹیج پر ہے۔ اس آخری اسٹیج پر بل میں جو خامدیاں ہیں انہیں پیش نظر رکھ کر سوچا جائے تو مناسب ہوگا۔ اس کے لئے ممکن ہے زیادہ وقت لگے۔ لیکن پوزیشن کلیئر ہو جائیگا اور متصلہ ہراؤنس کا قانون سامنے رکھا جاسکے گا۔

شری وینکٹ رینگارائی۔ میں اسپیکر صاحب کی توجہ اس جانب دلانا چاہتا ہوں کہ اس وقت خامیوں کے متعلق بحث نہو گی۔

مسٹر اسپیکر۔ میں نے پہلے ہی آنریبل ممبر کو اس جانب متوجہ کیا ہے۔

شری پاپی ریڈی۔ جب یہ اسٹنڈنٹ پاس ہو کر عمل میں آئیگا تو اس وقت اسکی ورڈنگس (Wordings) سے جو پیچیدگیاں پیدا ہونگی میں اس بارے میں وضاحت کرونگا۔ گورنمنٹ کا مقصد یہ ہے کہ الیسٹ لیکر (Illicit Liquor) کو بند کیا جائے۔ جیسا کہ اس بل سے ظاہر ہوتا ہے اور آنریبل چیف منسٹر کے بیان سے بھی معلوم ہوتا ہے کہ ناجائز شراب تیار کرنے والے کلپرٹ (Culprit) کو زیادہ سزا نہ دی جائے۔ جو کنویرس (Conveyors) یا ڈرائیورس یا لاری اوٹرس ہوتے ہیں وہ ۹۰ فیصد معصوم ہوتے ہیں۔ اگر انکی گاڑی پر کوئی شراب لیجائے تو حکومت انکی گاڑی ضبط کر لیتی ہے جسکے بارے میں ہو سکتا ہے کہ خود انکو اسکا علم نہ ہو۔ ایسی صورت میں حکومت سے پوچھنا چاہتا ہوں کہ

مسٹر اسپیکر۔ اس اسٹیج کا یہ اسٹیج نہیں ہے۔ وہ گزر چکا ہے۔ ' . . '

شری پاپی ریڈی۔ اس میں ایک پراویژن ہے کہ اوٹر عدالت میں پروو (Prove) کرے۔

مسٹر اسپیکر۔ وہ کلاز ٹسکس ہو چکا ہے۔ آنریبل ممبرس نے اس پر اپنے خیالات کا اظہار کیا۔ اب ان ہی چیزوں کو بار بار ریپٹ (Repeat) نہیں کیا جاسکتا۔

شری پاپی ریڈی۔ جب سب کچھ ہو چکا تو اب باقی کیا رہا ہے ؟

مسٹر اسپیکر۔ میں بھی یہی کہہ رہا ہوں۔

شری پاپی ریڈی۔ یعنی یہ کہ اب مجھے اجازت نہیں۔

مسٹر اسپیکر۔ میں نے آنریبل ممبر کو رول (۹۷) کلاز (۳) پڑھ کر سنایا۔ کسی لفظی اسٹنڈنٹ کے بارے میں اگر ضروری ہو تو کچھ کہا جاسکتا ہے۔

Shri Papireddy : Mr. Speaker, Sir, at this stage I only wish to insert a word there and without convincing my hon. Friends.—I do not think it is possible. So before I insert the word, I wish to state the reasons.

Mr. Speaker : What is the particular word that the hon. Member wants to insert ?

Shri Papi Reddy : The provision says that the owner should prove before the Court that he has prevented or taken due care in preventing.....

Mr. Speaker : We have discussed it and it was agreed.

Shri Papi Reddy : If the House is of the opinion that I should not speak.....

Mr. Speaker : It is not a question whether the hon. Member should or should not speak, but it should be relevant, under Rule 97 (8), which I read out just now.

Shri Papi Reddy : I was speaking about a definite word 'prevention'.

Mr. Speaker : It cannot be allowed.

Shri Papi Reddy : Thank you very much, Sir.

شری اے۔ راج ریڈی (سلطان آباد)۔ مسٹر اسپیکر سر۔ کل سے جو بحث ہو رہی ہے اسکے متعلق میں نے یہ محسوس کیا جو کار کسی چیز کو لانے کے لئے استعمال ہو رہی ہے اسکا منشا 'کامن سنس کی رو سے نہیں لیا جاسکتا۔ کل ہی میں نے ایک پائینٹ آف انفومیشن کے ذریعہ سیکشن (۳۹) کے کلاز (۲) کی جانب توجہ دلائی تھی جس میں کہا گیا ہے کہ 'Other conveyances used in carrying any such article' اس میں (in) کا لفظ استعمال ہوا ہے۔ اس لفظ کی بجائے دوسرا لفظ رکھنے کے لئے بحث ہو سکتی ہے۔

Mr. Speaker : Does the hon. Member think that his remarks are relevant under the Rule which I have read out just now ?

Shri A. Raja Reddy : That is what I am thinking. Your Honour may decide it.

(in) کی بجائے (for) کا لفظ استعمال کیا جائے تو اس سے آئریبل ممبر کا منشا بھی پورا ہو سکتا ہے۔ اگر آئریبل منسٹر اسکو مناسب سمجھیں تو اسپیکر صاحب اس کا تصفیہ کر سکتے ہیں۔

شری وی۔ ڈی۔ دیشپانڈے۔ میں سمجھتا ہوں کہ یہ ورل چینج (Verbal Change) ہے۔

شری وینکٹ رنگا ریڈی۔ جو لفظ "in" استعمال کیا گیا ہے جب اس سے منہوم پورا ہو رہا ہے تو اس کی بجائے دوسرا لفظ رکھنے کی ضرورت نہیں ہے۔ بل میں ("In carrying any such article") رکھا گیا ہے۔ چونکہ شراب موثر میں لپجائی جاتی ہے اسلئے یہ لفظ موزوں ہے۔

Shri L. K. Shroff (Raichur) : Mr. Speaker, Sir, I wish to submit that the change proposed is not merely a verbal change. 'Used in' is quite different from 'used for.' 'Used for' amounts to carrying generally.

مسٹر اسپیکر۔ یہ ورل چینج نہیں ہے، اسلئے موو کرنے کی اجازت نہیں دی جاسکتی۔

The Question is:

"That L.A. Bill No. IX of 1952, a Bill to amend the Hyderabad Abkari Act (No. 1 of 1916 Fasli) be read a third time and passed."

The motion was adopted.

L. A. Bill No. XII of 1952, a Bill to amend the Hyderabad L. A. (Speaker and Deputy Speaker) Salaries Act, 1952.

Mr. Speaker : We shall now take up L. A. Bill No. XII of 1952, a Bill to amend the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker & Deputy Speaker) Salaries Act, 1952.

اس بل میں آنریبل مسٹر کی جانب سے ایک ترمیم پیش ہوئی تھی وہ ترمیم موو کی گئی۔ اس کے بارے میں یہ کہا گیا تھا کہ اس ترمیم کو ٹھیک طور پر سمجھنے کے لئے اور اس پر امینڈمنٹ پیش کرنے کے لئے موقع دیا جائے۔ اسلئے موقع دیا گیا تھا۔

شری بی. ڈی. ڈیشمکھ (بھوکر دن۔ عام)۔ میری جانب سے ۱۲ تاریخ کو ایک امینڈمنٹ آیا تھا۔ اور اس سے پہلے کا ایک امینڈمنٹ ہے۔ لیکن جو امینڈمنٹ بعد میں بھیجا گیا تھا اسکو پہلے موو کیا جا رہا ہے۔

مسٹر اسپیکر۔ بات یہ ہے کہ اگر یہ امینڈمنٹ (Amendment) منظور ہو جائے تو دوسرے امینڈمنٹ کے لئے کوئی گنجائش نہیں رہتی اور اگر یہ نامنظور ہو جائے تو دوسرا امینڈمنٹ باقی رہتا ہے۔ اسلئے میں پہلے امینڈمنٹ کو لے رہا ہوں۔ جو امینڈمنٹ گورنمنٹ کی طرف سے آیا ہے اس میں شری اے۔ راج ریڈی جو امینڈمنٹ موو کرنا چاہتے ہیں وہ یہ ہے۔

At the end of sub-section (1) of section 4A proposed to be added by amendment No. 3 given notice of by Shri

Jagannath Rao Chanderki to clause 4 of L. A. Bill No. XII of 1952, add the following as paragraph (d) namely :—

‘(d) And the payment of local rates and taxes of the residence and also payment of charges for the consumption of water for the garden thereof.’

جو امینڈمنٹ اور پینل بل کے ذریعہ سے لایا گیا ہے اسکو ملاحظہ فرمائیں تو پوری وضاحت ہو جائیگی۔ کلارز (اے) پڑھکر سناتا ہوں۔

‘4 A. (1). The following charges shall be paid by the Speaker in respect of the residence and Government motor car allotted for his use under Section 4.—

(a) cost of petrol and oil required for the motor car ;

(b) charges for the consumption of electricity and water for the residence except charges for the consumption of water for the garden ; and

گويا اس امینڈمنٹ میں اس فقرہ کے اضافہ کی تحریک کی جا رہی ہے۔

‘And the payment of local rates and taxes of their residence and also payment of charges for the consumption of water for the garden thereof.’

اسکا منشا یہ ہے کہ اسپیکر کو گارڈن وائر چارجس بھی ادا کرنا پڑیگا اور میں سمجھتا ہوں کہ امینڈمنٹ پیش کرنے والے آرہیل ممبر کا مقصد بھی یہی ہے۔ لیکن یہ ترمیم کلارز (ب) میں

‘except charges for the consumption of water for the garden.’

کے الفاظ موجود رہتے ہوئے پیش کی جا رہی ہے اسلئے نا مناسب ہے۔ ہونا تو یہ چاہئے تھا کہ کلارز (ب) میں سے وہ الفاظ ڈیلیٹ کئے جائے اور انکی بجائے ترمیم کے الفاظ بڑھائے جائے۔

اس طرح کلارز (ب) میں، سب کلارز (ر) کے الفاظ یہ ہیں :-

“All other charges for the maintenance and upkeep of such residence and motor car including the cost of repairs thereof, the salaries and allowances of the driver and cleaner of such motor car, rates and taxes, and all expenditure for the lay-out and maintenance of the gardens included in such residence, shall be borne by the Government.”

اسکو بھی ڈیلیٹ کرنا پڑیگا۔ کیونکہ امینڈمنٹ میں دونوں پراویژنس ہیں۔ اسلئے یہ ایڈمیسیبل (Admissible) نہیں ہوتا۔ کیونکہ یہ دونوں اپنی جگہ قائم

رہینگے۔ اسلئے یہ ان کنسنسٹنٹ (Inconsistent) ہے۔ اسکے ساتھ دوسری بات یہ ہے کہ یہ نگیٹیو (Negative) ہو جاتا ہے۔ یہ (اے) کا منشا یہ نہیں ہے۔ اسلئے جو امینڈمنٹ نگیٹیو کرتا ہے وہ بھی ایس ایل نہیں ہوتا۔

شری اے۔ راج ریڈی۔ جن چیزوں کی طرف توجہ دلائی گئی ہے وہ چیزیں میرے خیال میں تھیں۔

‘All amendments consequential to the amendments passed’

تھرڈ ریڈنگ کی نوٹ پر لائے جاسکتے ہیں۔ ریٹس اور ٹیکس کو بھی ڈیپلٹ کیا جائیگا کیونکہ یہ ان کنسنسٹنٹ (Inconsistent) ہے۔ اس کے لئے بعد میں امینڈمنٹ آئیگا۔ تھرڈ ریڈنگ کے اسٹیج پر ہمیں موقع ملے گا۔ اور جو نگیٹیو کہا جا رہا ہے وہ ایسا نہیں ہے۔ مزید یہ کہ ... وہ ہم نے جو منظور کئے تھے ان میں ہم نے وہ آئٹمز جو اب ترمیمی مسودہ کے ذریعہ خارج کئے جا رہے ہیں جمع کئے تھے۔ اس لحاظ سے وہ نگیٹیو نہیں ہے اور نہ ان کنسنسٹنٹ ہے اسلئے میرا یہ خیال ہے کہ وہ ایس ایل ہے۔

مسٹر اسپیکر۔ کلاز تو ایک ہی ہے اسلئے اسکے متعلق دوسری چیز پر نوٹ نہیں کی جاسکتی۔ یہ کانسیکوئنشل امینڈمنٹ (Consequential amendment) ہے۔

شری اے۔ راج ریڈی۔ میرا ایک بنیادی عذر ہے۔ وہ یہ ہے۔

‘By way of consequential amendment in clause (b) of section 4 of the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries Act, 1952, for the words ‘in respect of the maintenance of the residence and the motor car’, substitute the following: namely—

“to meet the charges mentioned in sub-section (1) of section 4-A.”

صاف ظاہر ہے کہ جو بل پیش کیا گیا ہے اسکے متعلق یہ امینڈمنٹ نہیں ہے بلکہ یہ امینڈمنٹ ایکٹ کے لئے لایا گیا ہے۔ ایسی ترمیم بطور مسودہ بل علحدہ لائی جاسکتی ہے اور ایسا مسودہ پورے منازل کو طے کئے بغیر اس قسم کے امینڈمنٹ کے طور پر نہیں لایا جاسکتا۔ اس بارے میں میرا یہ خیال ہے کہ یہ بل کا امینڈمنٹ نہیں ہے بلکہ ایکٹ کا امینڈمنٹ ہے جو کہ جہاں نہیں لایا جاسکتا کیونکہ اسکو پورے منازل طے کرنا پڑتا ہے۔ اسلئے یہ اوٹ آف آرڈر ہے اور اسکو قطعی رد کرنا چاہئے۔ میں چاہتا ہوں کہ اس بارے میں آنریبل اسپیکر اپنی رولنگ دیں۔

منسٹر فار اینڈومنٹس (شری جگناتھ راؤ چندر کی) - اس وقت آنریبل اسپیکر کے رولنگ دینے کا کوئی سوال نہیں ہے۔ دوسری چیز میں یہ عرض کرونگا کہ کانسیکونٹنشل امینڈمنٹ کا سوال ہی نہیں ہے۔ میٹیننس کی وضاحت سکشن (ب) میں تھی جو ریڈنڈنٹ (Redundant) تھی۔ میں یہ بھی کہنا چاہتا ہوں کہ یہ امینڈمنٹ کوئی خاص اہمیت رکھنے والا یا ایکٹ کو چینج کرنے والا نہیں ہے۔ میٹیننس کے لفظ کو نکال دیا گیا ہے۔ اسلئے دونوں صورتوں میں کانسیکونٹنشل چینج (Consequential change) کے طور پر اسکو نکال دیا گیا۔

شری وی۔ ڈی۔ دیشپانڈے - ایک بہت ہی اہم قانونی پوائنٹ ہاؤس کے سامنے آرہا ہے اور اس وقت ہم نے یہ ظاہر بھی کیا تھا کہ جو امینڈمنٹ عین وقت پر آیا ہے اسکے متعلق گھر جا کر دیکھنے کے بعد ہم یہ معلوم کر سکیں گے کہ آنریبل لا منسٹر کی طرف سے جو امینڈمنٹ آیا ہے وہ پہلے قانون کے متعلق ہی لایا جا رہا ہے یا نہیں۔ اور جیسا کہ کل دفعہ ۳ میں امینڈمنٹ کے بارے میں چرچہ ہوئی تو آنریبل منسٹر فار اکسائز نے یہ کہا کہ جو پروسیجر ہے اسکے مطابق فلاں ایکٹ کے فلاں سکشن میں یہ نہیں آسکتا۔ بلکہ اس کے لئے ایک خاص منزل طے کرنے کی ضرورت ہوتی ہے۔ یعنی وہ گزٹ میں شائع کیا جاتا ہے اور ہاؤس میں انٹراڈیوس کیا جاتا ہے پھر امینڈنگ بل کے طور پر آتا ہے لیکن ہمارے پاس جو بل ہے وہ ایسا نہیں ہے۔ کیونکہ یہ دفعہ نہیں بتایا گیا۔ گویا ہمارے سامنے دو بل انٹراڈیوس کئے جارہے ہیں۔ اسلئے میں سمجھتا ہوں کہ یہ الیلگل پراسس (Illegal process) ہے کیونکہ مل کے دوران ڈسکشن میں یہ امینڈمنٹ نہیں ہو سکتا۔ اسلئے میں چاہتا ہوں کہ آنریبل اسپیکر اس پر اپنی رولنگ دیں۔

منسٹر اسپیکر - جو امینڈمنٹ آیا ہے اور اس میں شری اے۔ راج ریڈی کی جانب سے جو امینڈمنٹ پروپوز کیا گیا وہ چونکہ اسکے دوسرے پروپوز سے ان کنسٹنٹ (Inconsistent) ہے اور اگر یہ امینڈمنٹ منظور ہو جاتی تو وہ بھر متضاد ہو جاتی۔ اسلئے میں اسکو ایڈمس ایبل (Admissible) نہیں سمجھتا۔ دوسرا مسئلہ یہ ہے کہ اس پر دو طریقہ سے بحث کی گئی ہے۔ ایک تو بحث یہ کی گئی ہے کہ اس قانون میں جو امینڈمنٹ

“By way of consequential amendment in clause (b) of section 4 of the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries Act, 1952, for the words ‘in respect of the maintenance of the residence and the motor car’ substitute the following, namely:—

‘To meet the charges mentioned in sub-section (1) of section 4-A.’”

ہو رہا ہے وہ کانسی کوینٹیل امینڈمنٹ ہے۔ بعد میں چل کر اسپیکر کو اختیار دیا گیا ہے۔ چونکہ اس سے ان کنسٹنسی (Inconsistency) ظاہر ہو رہی تھی اور اصل قانون میں اختلاف ہو رہا تھا لہذا اسکو واضح کرنیکی غرض سے یہ اختیار اسپیکر کو دیا گیا۔ اس لحاظ سے اس ایکٹ کی دفعہ ۴ خود بخود معرض بحث میں آ رہی ہے اور اس قانون کی دفعہ میں کوئی امینڈمنٹ نہیں کیا گیا۔ اس وجہ سے میں سمجھتا ہوں کہ یہ اعتراض وزن دار نہیں ہے۔ اس وجہ سے میں اسکو بھی اس امینڈمنٹ کا جز ماننا ہوں۔ اس لئے اب اسکے بارے میں بحث شروع ہوگی۔

شری وی۔ ڈی۔ دتھیانڈے۔ یہ امینڈنگ بل اسپیکر اور ڈیپٹی اسپیکر سے متعلق ہے۔ یہ چھ مہینے پہلے کا ہے۔ میرا خیال ہے کہ سیالریز ایکٹ اگر اس طرح کوئی امینڈمنٹ آئیگا تو وہ ریگولر نہیں ہوگا۔ میں سمجھنے سے قاصر ہوں کہ اسکو کس طرح لایا جاسکتا ہے۔ یہ امینڈمنٹ ایک پرانے ایکٹ کے بارے میں ہے جس کی نہ تاریخ ہے اور نہ اس کا کوئی عنوان ہے۔

مسٹر اسپیکر۔ جس ایکٹ کے لئے یہ امینڈمنٹ لایا گیا ہے اس میں بھی سکشن (۴) معرض بحث میں آتا ہے اس وجہ سے میں سمجھتا ہوں کہ یہ قابل اجازت ہے۔ جو امینڈمنٹ منسٹر فار لا کی جانب سے پیش ہوا ہے اس پر کسی صاحب کو اپنے خیالات ظاہر کرنے ہوں تو کہئے جائیں۔

شری اناجی راؤ گوانے (ہرجنی)۔ کیا امینڈنگ بل کے امینڈمنٹ پر بحث ہوگی؟
مسٹر اسپیکر۔ کلاز ۴ کے امینڈمنٹ پر بحث ہوگی۔
شری اناجی راؤ گوانے۔ یہ کہا گیا ہے کہ۔

“A Bill to amend the Hyderabad Legislative Assembly
(Speaker and Deputy Speaker) Salaries Act of 1952.”
اور اسکے بعد۔ کہا گیا ہے۔

“In line 1 of clause 4 of the said Bill”

یہ سیڈ بل (Said Bill) کونسا بل ہو سکتا ہے؟ اسلئے جو امینڈمنٹ لایا گیا ہے اسکو بہت ہی کلیوری ورڈڈ (Cleverly worded) کیا گیا ہے۔ اسکی

وجہ ہے اگر یہ ورڈنگ (In line 1 of clause 4 of the said Bill) ڈیلیٹ کی جائے تو اسکی کس طرح سے توضیح ہوگی اسکو میں ہاؤس کے سامنے رکھونگا۔

شری گوپال راؤ ایکوٹے (چادر گھاٹ)۔ میرے ہاتھ میں جو ایکٹ ہے وہ ۱۹۳۲ء کا حیدرآباد ایکٹ ہے۔ اور ۱۹۵۲ء کے دور میں ہیں۔

شری داؤد حسین (نظام آباد)۔ ”لوٹ پیچھے کی طرف اے گردش ایام تو“

ہیں یا دینا ہم پر ضروری ہے، خصوصاً ایسی حالت میں جبکہ خسارہ کا بیٹ بیش کیا گیا ہے۔ ایک طرف تو بیٹ کا خسارہ پورا کرنے کے متعلق یہ سوچا جا رہا ہے کہ کس طرح دوسرے ٹیکس لوگوں پر لگائے جائیں تاکہ اس خسارے کو میٹ آؤٹ (Meet out) کیا جائے اور دوسری طرف تنخواہ اور الزنس کے طور پر۔ اتنی ٹیکس دینا چاہیے۔ یہاں لسی پروپوزل کا سوال نہیں بلکہ اکائی کا سوال ہے۔ اس طرح سے جو امینڈمنٹ لایا جا رہا ہے لیا ہمارا بیٹ اوسکو برداشت کر سکتا ہے؟ دوسرے مقامات پر ایک ہزار یا ساڑھے بارہ سو روپیہ دئے جا رہے ہیں۔ لیکن ہم یہاں ۵ سو روپیہ زائد دے رہے ہیں اور ویل فرنڈ ہاؤس موٹر کار وغیرہ دے رہے ہیں تو ہمارے بیٹ کے بش نقد اور خاص طور پر خسارہ کے بیٹ کے بیش نقد ایسا عمل ٹھیک نہ ہوگا۔ ایسی صورت میں جبکہ ہم رقم بچانے کی کوشش کر رہے ہیں ان اخراجات کو کیسے برداشت کر سکیں گے؟ جب مکان مفت دیا جا رہا ہے، موٹر مفت دی جا رہی ہے موٹر ڈرائیور دیا جا رہا ہے اور میں سمجھتا ہوں کہ دوسرے نوکر جو کام کر رہے ہیں وہ بھی مفت دئے جا رہے ہیں (صرف راشننگ مفت نہیں ہوگی) تو میرے خیال میں ان کے اتنے اخراجات کا ہمارے خسارے کے بیٹ پر ڈالنا مناسب نہیں ہوگا۔ اسکو اور کم کیا جانا چاہئے۔ جب دوسرے مقامات پر ہم سے زیادہ بیٹ ہونے کے باوجود کم اخراجات عائد کرنے کی کوشش کی جا رہی ہے تو کیوں ہم بھی ویسا نہ کریں؟ مجھے عرض کرنا ہے کہ (۵۰۰) روپیہ جو دئے جا رہے ہیں اور اسکے متعلق امینڈمنٹ اس طرح سے پیش کیا گیا ہے کہ (Water for the house and water for the garden) کے ٹیکس کا ہار بھی عاید نہ ہو تو کیا اس کا ہار بھی ساڑھے بارہ سو پانے والے برداشت نہیں کر سکتے؟ مجھے یہ عرض کرنا ہے کہ ہمیں بازو کے ہراؤنس کی مثال کو سامنے رکھنا چاہئے اور اسکو بیش نقد رکھتے ہوئے ٹوٹلی (Totally) امینڈمنٹ کو ریوایز (Revise) کرنا چاہئے۔ پہلے ابوزیشن کی جانب سے ڈھائی سو روپے مینٹنس آف موٹر کار کے لئے دئے جانے کے لئے امینڈمنٹ پیش کیا گیا تھا۔

آنریبل منسٹر نے جو امینڈمنٹ لایا ہے وہ کچھ اس طریقہ سے لایا ہے کہ مجھے انکے برین (Brain) کی تعریف کرنی پڑتی ہے۔ اس میں شک نہیں کہ انہوں نے اسکو بڑی قابلیت کے ساتھ پیش کیا ہے۔ لیکن اسکے ساتھ ساتھ میں یہ کہہنا کہ ہمیں اڈجوائننگ ہراؤنس کا بھی خیال رکھنا چاہئے۔ یہ اس قدر کلیوری ورڈڈ (Cleverly worded) ہے کہ اسکو ہاؤس اگر منظور نہ کرے تو افسوس ہوتا ہے۔

We have to carefully think over how to amend that amendment.

شری ادھورائو پٹیل (عثمان آباد حاکم)۔ اب جو امینڈمنٹ لایا گیا ہے اوس سے یہ معلوم ہوتا ہے کہ منسٹرس وغیرہ کو ہنگلہ موٹر، فرنڈ ہاؤس، پٹرول، سیلری وائر چارجس وغیرہ یہ سب کچھ دئے جا رہے ہیں اسکے علاوہ اب منشا یہ ہے کہ ہنگلہ کے گاڑن پر جو چارجس

ہونگے وہ بھی دینا چاہئے۔ جس اسپرٹ سے یہ امینٹ لایا گیا ہے اس سے اس قدر ہوتا ہے کہ ٹریزری سے بے کوشش کی جارہی ہے۔

شری وی۔ ڈی۔ دیشپانڈے۔ وائٹ آف انفرمیشن۔ پہلے میٹنسن کے لئے جو۔

Mr. Speaker: Let him continue. He does not want that.

Shri V.D. Deshpande: It is to help him, Sir.

Mr. Speaker: Order, Order. Let him finish his speech. He does not require that information.

شری ادھور اوپلی۔ مسٹر اسپیکر۔ لا منسٹر کا یہ مطالبہ ہے کہ ہائی کے چارجس جو آتے ہیں اس کا ہار منسٹرس پر نہ پڑے۔ جب الونس یا سیلری کا بل آتا ہے تو اس وقت بازو کے پراونس کو نہیں دیکھا جاتا۔ پہلے جب سیلری و الونس کا بل پیش کیا گیا تھا تو یہ کہا گیا تھا کہ کانگریس اگر سیلری کو کم کرنا چاہے تو اس وقت ہم طے کرینگے۔ جب مدراس اور بمبئی میں ایک ہزار روپیہ سیلری اور دو سو پچاس روپیہ الونس دیا گیا ہے تو یہاں کیوں نہیں غور کیا جاتا؟ یہاں تو مزید خرچہ بڑھانے کی کوشش کی جا رہی ہے اور الونس میں اضافہ کیا جا رہا ہے۔ جب ڈھائی سو زیادہ مل رہے ہیں تو پچاس ساٹھ روپیہ برداشت کرنے کے لئے آنریبل منسٹرس کیوں تیار نہیں ہیں؟ یہ جو اسپرٹ اس میں ہے واقعی یہ مناسب نہیں ہے، ایسی حالت میں جبکہ ہمارے بجٹ میں ۳ کروڑ کا خسارہ ہے۔ فینانس منسٹر ایک طرف خسارے کو دور کرنے کے لئے اخراجات میں کمی کرنا چاہتے ہیں اور دوسری طرف الونس کو بڑھانے کی کوشش کرتے ہیں۔ واقعہ یہ ہے کہ ایسی کوشش عوام اور ملک کے نمائندوں کے لئے اسوس ناک ہے۔ عوام سے اکائی کرنے کا وعدہ کیا گیا تھا۔ کیا سیلریز اور الونس میں اکائی نہیں ہو سکتی؟ کیا اکائی کے جی معنی ہیں؟ پیونس (Peons) اور کلرکس کی تنخواہ میں تو کمی کی جاسکتی ہے۔ لیکن بڑے بڑے لوگوں اسپیکر اور منسٹروں کی سیلری میں کمی کا رجحان نہیں ہے۔ میں سمجھتا ہوں کہ اگر یہ امینٹنگ بل نہ لایا جاتا تو پچاس ساٹھ روپیہ سے زیادہ منسٹرس کو نقصان نہ ہوتا۔ صرف گارڈن کے وائر چارجس کے لئے ۶۰۰۰ روپیہ برداشت کرنا کچھ زیادہ نہیں تھا۔

شری وی۔ ڈی۔ دیشپانڈے۔ پہلے کا جو ایکٹ ہے اس میں میٹنسن کی تعریف یہ کی گئی ہے۔

“Maintenance” in relation to a residence includes the payment of local rates and taxes and the provision of electricity and water and in relation to a motor car includes the supply of petrol therefor.”

L.A. Bill No. XII of 1952, a Bill to amend the Hyderabad L.A. (Speaker and Deputy Speaker Salaries Act, 1952.

مجھے یہ حیرت ہے کہ وٹرجس، کٹرک چارجس، لوکل ریش چارجس اور سٹیٹس ہیں اور ان کے لئے کیا دیا جاتا ہے۔

شری جگن ناتھ رڈچندر کی - میرے پاس اس کے فیکس نہیں ہیں - کنسٹنٹ
Concerned Department سے یہ فیکس مل سکتے ہیں۔

شری مے - راج ریڈی - مجھے اس ترمیم پر بحث کرتے ہوئے بڑی تکلیف محسوس ہو رہی ہے۔ میں ایک آنکڑ ہونڈیشن (Awkward Position) میں ہوں۔ یہ ہر سیکرٹری سے متعلق ہے۔ پریوی میں یہ تصور کرتا ہوں کہ یہ اسپیکر صاحب کی ذات سے متعلق نہیں ہے بلکہ اس کرسی سے متعلق ہے۔ کوئی بھی اس کرسی پر آ سکتا ہے اور جاسکتا ہے اس لئے غور سے ہمیں دیکھنا ہے۔

مسٹر اسپیکر - اسے ہی میری ہونڈیشن بھی آنکڑ ہے۔

(Laughter)

شری اے۔ راج ریڈی - مسٹر اسپیکر - اس سے پہلے جیسا کہ ایوان کے علم میں ہے ایک لیٹ ہونے والی بات تھی جس میں ہم نے میلریز اور الونس دونوں منظور کئے تھے۔ اس قانون میں کمی تھی، کیوں کہ امٹمنٹ لایا گیا، اس بارے میں کریپر منسٹر نے وضاحت کی ہے کہ یہ - پنج سو روپیہ کن مدت پر خرچ ہونگے - مکے ڈیپنٹس (arification) کی ضرورت ہے۔ اس قانون کو جو اس سے پہلے ہونے لگا تھا اس کے مستثنیہ - ہر سب کلاس (۲) کو دیکھا جائے تو معلوم ہوگا کہ

“The Speaker shall be entitled to an allowance at the rate of I.G. Rs. 500 per month in respect of maintenance of the residence and Govt. Motor Car.”

یہاں پر تلفظاً “Maintenance” استعمال کیا گیا ہے۔ اس کے معنوں کو تلاش کرنا پڑیگا۔ اس میں لکھا گیا ہے کہ -

Section 2 clause (8) - “Maintenance” in relation to a residence includes the payment of local rates and taxes and the provision of electricity and water and in relation to a Motor Car includes the supply of Petrol therefor.”

اس سے یہ صاف ظاہر ہے کہ پانچ سو روپیہ کن مدت پر خرچ کئے جائینگے۔ میں سمجھتا ہوں کہ کوئی اہم نہیں ہے۔ لیکن امٹمنٹ لانے کا مقصد کچھ اور ہے۔ وہ یہ ہے کہ پانچ سو روپیہ کے تحت جو مدت خرچ ہیں ان میں سے تین مدت خرچ کو کم کر کے گورنمنٹ کے تفویض کر دیا جائے جیسے کہ گارڈن کے والٹر چارجس وغیرہ ہیں۔ باقی مدت پر ان پانچ سو روپیوں کو خرچ کرنا مقصود ہے۔ چنانچہ ممبر انچارج نے جو ترمیم مسودہ قانون میں لائی ہے اسکا ڈرافٹ اس طرح مرتب کیا گیا ہے کہ... وہ روپیہ کی سابقہ منظوری کو باقی رکھا گیا ہے اور پانچ سو جن مدت پر خرچ ہوتے تھے ان

میں سے چند مدات کو نکال دیا گیا ہے۔ اس میں ضرور انجینیئر (Ingenuity) ہے۔ ان مدات کے لئے رقم کا زائد مطالبہ کرنے کی غرض سے یہ طریقہ اختیار کیا گیا ہے۔ بالفاظ دیگر مطلب یہی ہوا کہ زائد الونس منظور ہو۔ گویا جن مدات کو اس میں سے خارج کرنا مقصود ہے انکا خرچ برداشت کرنے کے لئے تیار نہیں ہیں۔ اس طرح ہ سو کو جوں کا توں باقی رکھ کر ان مدات میں سے چند مدات کو خارج کر دیا گیا ہے۔ سائنڈ امن خیال سے کہ اس سے قبل منظور شدہ رقم (۵۰۰) کو زبردست نہ لایا جاسکے۔ لیکن یہ خیال غلط ہے کیونکہ سابقہ منظور شدہ (۵۰۰) کے کنٹینٹس (Contents) اور اس وقت کے (۵۰۰) منظور شدہ کنٹینٹس میں فرق ہے۔ امینڈمنٹ میں یہ بے جا جگہ ہے کہ اصل ایکٹ میں ترمیم لائی گئی ہے۔ اصل ایکٹ میں ترمیم کی ضرورت ہوتی ہے صاف طور پر کہہ سکتا ہوں کہ وہ بطور ترمیم مسودہ نہیں آسکیگی بلکہ مسودہ ترمیم قانون کے طور پر علیحدہ آسکیگی۔

شری جگناتھ راؤ چندر رکی۔ کیا متعلقہ رولس پر بحث ہو سکتی ہے ؟

شری اے۔ راج ریڈی۔ میں کسی اور خیال سے نہیں کہہ رہا ہوں۔ سمجھنے اور خیالات کو صاف کرنے کے لئے کہہ رہا ہوں۔ میرا خیال یہ ہے کہ جب مسودہ تھرڈ ریڈنگ کے لئے پیش ہو اس میں کانسی کو انشیل امینڈمنٹ لاسکتے ہیں۔ اس کے معنی یہ نہیں ہیں کہ اصل ایکٹ میں ترمیم لائی جائے۔ کیا پراویڈنل رولس میں اس کی گنجائش ہے ؟ امینڈمنٹ کے ذریعہ جو چیز ہاؤس کے سامنے لائی گئی ہے اس کا مقصد یہ ہے کہ پانچ سو روپیہ جن مدات کے لئے منظور کئے گئے تھے ان میں سے تین مدات کو خارج کر دیا جائے۔ دراصل ہاؤس کے سامنے یہ چیز لائی جا رہی تھی کہ ان پانچ سو روپیوں کے تحت جن مدات پر خرچ عائد ہوتا ہے کیا ان مدات پر خرچ کرنے کے لئے پانچ سو روپیہ کافی نہیں ہیں۔ اگر کافی نہیں ہیں تو کن مدات خرچ کے لئے کمی ہو رہی ہے اور اس میں مزید کس قدر اضافے کی ضرورت ہے۔ ان تفصیلات کو ہاؤس کے سامنے لانا چاہئے تھا۔ سابقہ بل کو منظور کرتے وقت یہ کہا جاتا تھا کہ پانچ سو روپیہ پورے مدات کے لئے کافی نہیں ہوتے۔ جب ٹریژری ہنچس کوئی بل یا مسودہ منظور کروا رہے ہیں تو اس کی پوری تفصیلات ہمارے سامنے آنی چاہئیں۔ یہاں جن مدات کے لئے (۵۰۰) روپے طلب کئے جا رہے ہیں اس کی تفصیل ہاؤس کے سامنے صاف طور پر لانے میں کوئی قیامت نہیں ہے۔ ہمارا مقصد یہ نہیں کہ الونس کم کر کے پریشان کریں۔ ہماری حیثیت تو واچ ڈاگ (Watch dog) کی ہے۔ ہم چاہتے ہیں کہ ہمارے ایک ایک پیسہ کا واجبی صرفہ ہو۔ میں سمجھتا ہوں کہ آرٹیکل ممبرس آف دی ٹریژری ہنچس بھی اسکو پسند کریں گے۔ اس وقت مجھے اسی قدر عرض کرنا ہے۔

* श्री. लक्ष्मीनिवास गनैरीवाल: स्पीकर सर, मैं देख रहा हूँ कि जो बिल जिस वक़्त पेश है जिस पर तीन दिन से बहस जारी है। जिस पर कितना सरफा हुआ जिसका मैं ने

شری وی۔ ڈی۔ دیشپانڈے۔ ہم ان کو بھی اتنا ہی اہم سمجھتے ہیں جتنے چیف منسٹر ہیں۔

شری رکھماجی ڈھونڈیا پٹیل۔ آخر میں میں یہ کہہونگا کہ اخراجات کو کم کرنے کی کوشش میں وقت صرف ہو جائیگا۔ اگر ایسی ہی کوشش کریں تو ہم خوگیر کی بھرتی والے ہی بل کو منظور کر لینگے۔

شری جی۔ سری راملو (منتہی)۔ جو امینڈمنٹ اسپیکر اور ڈپٹی اسپیکر کے سپریمز ایڈٹ کے لئے لایا گیا ہے اسکو دیکھ کر حیرت ہوتی ہے۔ جب ہم دوسرے اخراجات کو کم کرنے کی کوشش کرتے ہیں تو میں نہیں سمجھتا کہ ٹریژری پنچس کی تنخواہوں کو بڑھانے کے لئے کیوں سوچا جاتا ہے۔ ایسا معلوم ہوتا ہے کہ ٹریژری پنچس یہ دیکھ کر چاہتے ہیں کہ ہم کہاں تک کٹ موشنس (Cut motions) پیش کرینگے۔ لیکن ہم بھی یہ دیکھنا چاہتے ہیں وہ کہاں تک سادہ زندگی اختیار کر سکتے ہیں۔ اگر ٹریژری پنچس کے معزز ارکان اپنی تنخواہوں میں کمی کر لیتے تو اس سے ہمارے (Grow More Food) اور (Grow More Plants) کے سہم کی اچھی خدمت ہو جاتی۔ اسکی بجائے گورنمنٹ کی ٹریژری پر بار ڈالنا اور اسپیکر کی اتنی سیلیری رکھنے کیلئے بل لانا مسائل کی اہمیت کے لحاظ سے کہاں تک درست ہو سکتا ہے؟ جب سے اسمبلی شروع ہوئی ہے ہم دیکھ رہے ہیں کہ ہم اپنے ہی لئے سب کچھ کر لیتے ہیں۔ تنخواہیں، الونسس، بس یہی مسائل رہے۔ میں تو کہہونگا کہ اگر کانگریس اور بچانے کے لئے تیار ہے تو ہم اس کے لئے گزر بیٹھنے بھی تیار ہیں بشرطیکہ رولنگ پارٹی خود بخود ضروری مسائل حل کر لے۔ ہم دیکھتے ہیں کہ یہاں آنے کے بعد کوئی خدمت نہیں کر سکتے۔ روزانہ ساڑھے بارہ روپے لینے کے لئے تیار معلوم ہوتے ہیں۔ ہم تو اس لئے آئے ہیں کہ انہیں سیدھے راستہ پر لگائیں۔ اسی لئے ہمیں آنا پڑتا ہے۔ اس سے پہلے کے سشن کا اگر میں خلاصہ کروں تو یہی ہوگا کہ ۱۸ دن کے الونس پر ساڑھے بارہ روپے کے حساب سے ۳۲ ہزار روپے خرچ ہو گئے۔ اور سب سے کی سیلریز پر ۶۷ ہزار۔ اور اگر اسمبلی کے اسٹاف اور سیکریٹریٹ کو ملا لیا جائے تو لاسٹ سشن کا خرچہ ایک لاکھ تک ہو گیا۔ اس دوسرے سشن میں ہم یہ دیکھ رہے ہیں کہ اس خرچہ میں مزید اضافہ کی کوشش کی جا رہی ہے۔ اس کے بعد شاید ایک اور بل آئیگا۔ شاید وہ منسٹرس کی سیلریز اور الونس کے بارے میں ہوگا۔ اس طرح محض تنخواہوں کے بارے میں ہی بل آنے نظر آتے ہیں۔ میں کانگریس بینچس سے پوچھتا ہوں کہ کیا یہ ہمارے مسائل تھے؟ کیا اور بس موو ہونے کے مواقع نہیں تھے؟ اگر اسپیکر صاحب (میں اس عہدہ کی عزت کرتا ہوں) یہی اس طرف سوچتے تو ایسا بل لانا نہ چاہتے اور لانے نہیں دیتے۔

مسٹر اسپیکر۔ اسپیکر کا انڈیو جولی (Individually) کوئی تعلق نہیں ہے۔

میسرین یا انریل سسک کو دیا گیا ہے وگورنس کا ہے ووسلک و لیس ڈ ریس کی طرف سے سسک نگر کی حالی ہے لہذا ہاوس نکس دسے کی دہ دری سسک صاحب ہیں ہے میں نہ و صاحب کرنا ضروری سمجھا ہوں کہ ہم ہاوس کی صلاح ہے ہیں رنڈا روئے ہیں حالیے لکن جو مدت ن اہ حالی کے ہے ہے میں لکن بھک بھک و صاحب ہے حالی ہے میں اس سے ٹھہ کر و رکھ ہیں حالیہ میں سے ہریل لدر ف دی پی ڈی اب کو نہ حساب لانا چاہیے گلس روئے کے لیے ہمارے میں سو روئے، بل کے لیے ۳۰ روئے اور ۱۰ روئے ہری حالی ہوئے ہیں لکن ہ ہصلاب ہلالے کے ناوہود ہ الزا ہانا ہا ہے ہ ایسے ہی ماند کے لیے میں لائے حالیے ہیں لکن میں کہتا ہا ہا ہوں کہ سسلی کے کتا ہر میں ہوئے ہیں و سسلی میں کس حروں کو طے کیا ہا ہے ہم حالیے ہیں کس ہروں میں کمی یا رنڈی کی حالی ہے و یہی حالیے ہیں مگر ہوس کے بل ہسرس سسک و ح (Basic Wage) کا بل لایا ہوسکو یہی ناس ہا حالیہ سسلی میں کہتا ہا ہا ہوں کہ ہ ہرکس (Pin Pricks) دے سے و حریطے ہیں ہو کر ہاوس کو ہ سمجھا ہے کہ ہ حرس ہر ہ معمولی ہیں سسلی ن ہراس کو رنڈا و ہ صرف کر سکی حروں ہیں ہے اصلے ہجے ہاوس ہ موع ہے کہ اس حریط کے بعد ہاوس ہسرس کو اعراض ہا و ہاوس میں لے گا کوئیک اعراض میں رنڈی ہیں بلکہ ہجیل علی کی صلاح کی ہے میں نے اس معاملہ کو حلالہ ہم کر دنا حالیے تاکہ ہم میں لے (Monday) کے دن و دو ا ہوس کام کریں کوئیک اگر ہ ہس کی دے ہ ہلال حریطے ہا ہوں ہا لارا و ہا ح ہوگا اصلے ہجے اسد ہے کہ ہاوس میں طرح ہا کو ہ اسرس میں ڈکا

حریط کی ڈی ڈسٹیکٹ حسا کہ آنریل چرف ہسرسے ہی سب اور ہاوس کے و ہ ہارے میں ہرمانا میں یہی ان کے حلال ہ سے معق ہو کر نہ کہوئیکہ کہ اگر ہم اصولی طریقہ سے اس مسئلہ پر سوچے تو نہ تو ہ ہی ہ ای کوئیکہ ہیل ہرے حوئل ہاوس کے ساسے ہس کا گیا ہا و یہی ہو کر کے کے ہد ہی ہس لگا ہوگا گلسہ ہس کے و ہ حو صاحب ہے اس و ہ ہی نہ ہلانا گیا ہا کہ ہوا ہگ ہروس (Adjoining Provinces) کا حو ہٹ ہے و ہ ہارے ہٹ سے دوکا ہے لکن انکے ناوہود انورس کی حالی سے ہس ہس کر کے ہوئے ہلور حالی اس کو ہطور کا گیا ہا حلی میں کہ لای وٹر حارجس وعرہ سرک ہجے ہرول کا حالی نہی سابل ہا لکن ہاوس ہے کہ انک ہسہ دو ہسہ ہی ہر ہرے ہاے کہ اس انکٹ میں ہرس کی حروں ہسوس کی حالی ہے میں ہیں سمجھ سکا کہ اس و ہ کوئیکہ اسے حلال ہجے اور اب کیا حلال ہل گئے ہیں میں سمجھا

The Bill No. XII of 1952, The Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries (Amendment) Bill, 1952

Mr. Speaker As these amendments have been rejected the other amendments as they are inconsistent with the amendments need not be put to vote. Now I shall put the clauses to vote.

The question is

That clause 2 stand part of the Bill

The Motion was adopted

Clause 2 was added to the Bill

Mr. Speaker The question is

'That clause 3 stand part of the Bill'

The Motion was adopted

Clause 3 was added to the Bill

Mr. Speaker The question is

That clause 4 as amended stand part of the Bill

The Motion was adopted

Clause 4 was added to the Bill

Mr. Speaker The question is

That the short title, commencement and preamble stand part of the Bill

The motion was adopted

The short title, commencement and preamble were added to the Bill

Shri Jagannath Rao Chanderka *Mr. Speaker* Sir, I beg to move

"That I A Bill No XII of 1952, the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries (Amendment) Bill, 1952, be read a third time and passed"

Mr. Speaker The question is

1281 5th July 1952. *L. A. Bill No. XIII of 1952, a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the State of Hyderabad and matters connected therewith*

"That L. A. Bill No. XII of 1952, the Hyderabad Legislative Assembly (Speaker and Deputy Speaker) Salaries (Amendment) Bill, 1952, be read a third time and passed".

The Motion was adopted

L. A. Bill No. XIII of 1952, a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the State of Hyderabad and for matters connected therewith.

Mr. Speaker : Now, we shall take up the next Bill, L A Bill No. XIII of 1952

Shri B. Ramakrishna Rao : If I am not mistaken, Sir, I believe certain amendments were given notice of to this Bill on the last occasion when the first reading of this Bill was over.

Mr. Speaker : So far as I remember even the motion for the first reading of L.A. Bill No. XIII of 1952, was not moved

Shri V. D. Deshpande : It was taken up for the first reading and we have submitted our amendments too.

Mr. Speaker : Amendments might have been tabled but at what stage were we then? Let us see the proceedings.

Shri B. Ramakrishna Rao : So far as I remember, Sir, I introduced the Bill and thereafter, I moved for the first reading.

Shri V. D. Deshpande : It was only introduced, Sir.

Shri B. Ramakrishna Rao : Was it only introduced and not moved for the first reading? That is all right

Speaker, Sir, I beg to move :

"That L.A. Bill No. XIII of 1952, a Bill to provide for the allowances of the Chief Minister and other Ministers of the State of Hyderabad and for matters connected therewith, be read a first time."

Mr. Speaker : Motion moved. Now, there will be general discussion on the principles of the Bill which are the same as that of the original Bill which was passed in the previous Session.

1989 25th July 1952

*L A Bill No of XIAI 1952 a
Bill to provide for the allowances
of the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith*

State of Hyderabad and for matters connected therewith
be read a first time

The motion was adopted

Shri B Ramakrishna Rao Mr Speaker Sir I beg to move

That L A Bill No XIII of 1952 a Bill to provide for
the allowances of the Chief Minister and other Ministers
of the State of Hyderabad and for matters connected
therewith be read a second time

Mr Speaker The question is

That L A Bill No XIII of 1952 a Bill to provide for
the allowances of the Chief Minister and other Ministers of
the State of Hyderabad and for matters connected there-
with be read a second time

The motion was adopted

Mr Speaker We shall now take up the amendments
The hon Shri B Ramakrishna Rao to move his
amendment

Shri B Ramakrishna Rao Mr Speaker Sir I do not
wish to move the amendment as I am advised that it is
unnecessary

Shri Annaji Rao Gavane Mr Speaker Sir I beg to move

That for the figure 700 in line 5 of paragraph (a) of
clause 8 substitute the figure 850

Mr Speaker The hon member may move his other
amendments to the same clause We shall take up all the
amendments together

The Hyderabad Bill 1950
to provide for the allowances of
the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith

Shri Anaji Rao Garani Mr Speaker Sir I beg to move

That the words fully furnished in lines 1 and 2 of
 paragraph (b) of clause 8 be omitted and

For the figure 500 in line 5 of paragraph (i) of clause
 3 substitute the figure 200

Mr Speaker Motions moved

Regarding amendments notice of which has been given
 by Shri Raj Reddy there is one difficulty As there
 are two separate clauses 3 and 4 I shall have to put them
 separately for voting Therefore if the hon Member con-
 state which of the amendments pertains to clause 3 and
 which to clause 4 it will be very convenient

سری ایے راج رڈی سے لے کر اس کے لئے 200 کی بجائے 500 کی بجائے
 میں نے نوٹ کیا ہے کہ اس کے لئے 200 کی بجائے 500 کی بجائے
 (Substitute) 500 کی بجائے 200 کی بجائے

Shri A. Raj Reddy Mr Speaker Sir I beg to move

That for clauses 3 & 4 substitute the following namely —

3 Throughout the term of office the Chief Minister
 and each of the other Ministers of the State of Hyderabad
 shall be paid —

(a) a house allowance at the rate of Rs 250 I G per
 month provided that such allowance shall not be paid to any
 Minister if such Minister is provided by the Government with
 a furnished house without payment of rent or any assessment
 tax rate or cess due to Government or any local authority and

(b) an allowance for the maintenance of a motor car
 at the rate of Rs 250 I G per month for purposes of petrol
 and oil

(c) All other charges for the maintenance and upkeep
 of such residences and motor cars including the cost of repairs

1200 5th July 1952

*L A Bill No XIII of 1952 a
Bill to provide for the allowances
of the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith*

thereof the salaries and allowances of the drivers and cleaners of such motor cars rates and taxes and all expenditure for the lay out and the maintenance of the gardens included in such residences shall be borne by Government

مسٹر اسپیکر: ملازمین اور مینڈکوں کے لئے
یہ حصہ ہوا ہے جو کہ کسی کاری کے لئے اب اس میں
حاجے ہیں

شری ایسے راجہ ریلوی کلار (۳) کی حالت سے رہتا ہے اور (۴) اب
ہاں

مسٹر اسپیکر: کچھ دلائل اسے ہیں کہ یہ ۵۰ روپے لار اس میں
دو آدمی رکھا جائیگا کہ کچھ اس میں ہر الفاظ میں حاجے لکھیں کہ
Technicalities میں حاجے ہیں

Motion moved

That for clause 3 the following be substituted namely —

3 Throughout the term of office the Chief Minister and each of the other Ministers of the State of Hyderabad shall be paid —

(a) a house allowance at the rate of Rs 250 I G per month provided that such allowance shall not be paid to any Minister if such Minister is provided by the Government with a furnished house without payment of rent or any assessment tax, rate or cess due to Government or any local authority, and

(b) an allowance for the maintenance of a motor car at the rate of Rs 250 I G per month for purposes of petrol and oil,

(c) All other charges for the maintenance and upkeep of such residences and motor cars including the cost of repairs thereof the salaries and allowances of the drivers and cleaners of such motor cars rates and taxes and all expenditure for the lay out and the maintenance of the gardens included in such residences, shall be borne by Government, and

Clause 4 of the Bill be deleted'

(۴) کے اب سے اس کے بارے میں دیکھو

شری امبیڈکار کو اے۔ بی۔ اے۔ جی۔ ایچ۔ ایس۔ میں ایم۔ اے۔ کیا
 ہے۔ (۲) کلار (۳) کے جی۔ بی۔ بی۔ کے لیے (۵) (۶) (۷) (۸) (۹) (۱۰) (۱۱) (۱۲) (۱۳) (۱۴) (۱۵) (۱۶) (۱۷) (۱۸) (۱۹) (۲۰) (۲۱) (۲۲) (۲۳) (۲۴) (۲۵) (۲۶) (۲۷) (۲۸) (۲۹) (۳۰) (۳۱) (۳۲) (۳۳) (۳۴) (۳۵) (۳۶) (۳۷) (۳۸) (۳۹) (۴۰) (۴۱) (۴۲) (۴۳) (۴۴) (۴۵) (۴۶) (۴۷) (۴۸) (۴۹) (۵۰) (۵۱) (۵۲) (۵۳) (۵۴) (۵۵) (۵۶) (۵۷) (۵۸) (۵۹) (۶۰) (۶۱) (۶۲) (۶۳) (۶۴) (۶۵) (۶۶) (۶۷) (۶۸) (۶۹) (۷۰) (۷۱) (۷۲) (۷۳) (۷۴) (۷۵) (۷۶) (۷۷) (۷۸) (۷۹) (۸۰) (۸۱) (۸۲) (۸۳) (۸۴) (۸۵) (۸۶) (۸۷) (۸۸) (۸۹) (۹۰) (۹۱) (۹۲) (۹۳) (۹۴) (۹۵) (۹۶) (۹۷) (۹۸) (۹۹) (۱۰۰) (۱۰۱) (۱۰۲) (۱۰۳) (۱۰۴) (۱۰۵) (۱۰۶) (۱۰۷) (۱۰۸) (۱۰۹) (۱۱۰) (۱۱۱) (۱۱۲) (۱۱۳) (۱۱۴) (۱۱۵) (۱۱۶) (۱۱۷) (۱۱۸) (۱۱۹) (۱۲۰) (۱۲۱) (۱۲۲) (۱۲۳) (۱۲۴) (۱۲۵) (۱۲۶) (۱۲۷) (۱۲۸) (۱۲۹) (۱۳۰) (۱۳۱) (۱۳۲) (۱۳۳) (۱۳۴) (۱۳۵) (۱۳۶) (۱۳۷) (۱۳۸) (۱۳۹) (۱۴۰) (۱۴۱) (۱۴۲) (۱۴۳) (۱۴۴) (۱۴۵) (۱۴۶) (۱۴۷) (۱۴۸) (۱۴۹) (۱۵۰) (۱۵۱) (۱۵۲) (۱۵۳) (۱۵۴) (۱۵۵) (۱۵۶) (۱۵۷) (۱۵۸) (۱۵۹) (۱۶۰) (۱۶۱) (۱۶۲) (۱۶۳) (۱۶۴) (۱۶۵) (۱۶۶) (۱۶۷) (۱۶۸) (۱۶۹) (۱۷۰) (۱۷۱) (۱۷۲) (۱۷۳) (۱۷۴) (۱۷۵) (۱۷۶) (۱۷۷) (۱۷۸) (۱۷۹) (۱۸۰) (۱۸۱) (۱۸۲) (۱۸۳) (۱۸۴) (۱۸۵) (۱۸۶) (۱۸۷) (۱۸۸) (۱۸۹) (۱۹۰) (۱۹۱) (۱۹۲) (۱۹۳) (۱۹۴) (۱۹۵) (۱۹۶) (۱۹۷) (۱۹۸) (۱۹۹) (۲۰۰) (۲۰۱) (۲۰۲) (۲۰۳) (۲۰۴) (۲۰۵) (۲۰۶) (۲۰۷) (۲۰۸) (۲۰۹) (۲۱۰) (۲۱۱) (۲۱۲) (۲۱۳) (۲۱۴) (۲۱۵) (۲۱۶) (۲۱۷) (۲۱۸) (۲۱۹) (۲۲۰) (۲۲۱) (۲۲۲) (۲۲۳) (۲۲۴) (۲۲۵) (۲۲۶) (۲۲۷) (۲۲۸) (۲۲۹) (۲۳۰) (۲۳۱) (۲۳۲) (۲۳۳) (۲۳۴) (۲۳۵) (۲۳۶) (۲۳۷) (۲۳۸) (۲۳۹) (۲۴۰) (۲۴۱) (۲۴۲) (۲۴۳) (۲۴۴) (۲۴۵) (۲۴۶) (۲۴۷) (۲۴۸) (۲۴۹) (۲۵۰) (۲۵۱) (۲۵۲) (۲۵۳) (۲۵۴) (۲۵۵) (۲۵۶) (۲۵۷) (۲۵۸) (۲۵۹) (۲۶۰) (۲۶۱) (۲۶۲) (۲۶۳) (۲۶۴) (۲۶۵) (۲۶۶) (۲۶۷) (۲۶۸) (۲۶۹) (۲۷۰) (۲۷۱) (۲۷۲) (۲۷۳) (۲۷۴) (۲۷۵) (۲۷۶) (۲۷۷) (۲۷۸) (۲۷۹) (۲۸۰) (۲۸۱) (۲۸۲) (۲۸۳) (۲۸۴) (۲۸۵) (۲۸۶) (۲۸۷) (۲۸۸) (۲۸۹) (۲۹۰) (۲۹۱) (۲۹۲) (۲۹۳) (۲۹۴) (۲۹۵) (۲۹۶) (۲۹۷) (۲۹۸) (۲۹۹) (۳۰۰) (۳۰۱) (۳۰۲) (۳۰۳) (۳۰۴) (۳۰۵) (۳۰۶) (۳۰۷) (۳۰۸) (۳۰۹) (۳۱۰) (۳۱۱) (۳۱۲) (۳۱۳) (۳۱۴) (۳۱۵) (۳۱۶) (۳۱۷) (۳۱۸) (۳۱۹) (۳۲۰) (۳۲۱) (۳۲۲) (۳۲۳) (۳۲۴) (۳۲۵) (۳۲۶) (۳۲۷) (۳۲۸) (۳۲۹) (۳۳۰) (۳۳۱) (۳۳۲) (۳۳۳) (۳۳۴) (۳۳۵) (۳۳۶) (۳۳۷) (۳۳۸) (۳۳۹) (۳۴۰) (۳۴۱) (۳۴۲) (۳۴۳) (۳۴۴) (۳۴۵) (۳۴۶) (۳۴۷) (۳۴۸) (۳۴۹) (۳۵۰) (۳۵۱) (۳۵۲) (۳۵۳) (۳۵۴) (۳۵۵) (۳۵۶) (۳۵۷) (۳۵۸) (۳۵۹) (۳۶۰) (۳۶۱) (۳۶۲) (۳۶۳) (۳۶۴) (۳۶۵) (۳۶۶) (۳۶۷) (۳۶۸) (۳۶۹) (۳۷۰) (۳۷۱) (۳۷۲) (۳۷۳) (۳۷۴) (۳۷۵) (۳۷۶) (۳۷۷) (۳۷۸) (۳۷۹) (۳۸۰) (۳۸۱) (۳۸۲) (۳۸۳) (۳۸۴) (۳۸۵) (۳۸۶) (۳۸۷) (۳۸۸) (۳۸۹) (۳۹۰) (۳۹۱) (۳۹۲) (۳۹۳) (۳۹۴) (۳۹۵) (۳۹۶) (۳۹۷) (۳۹۸) (۳۹۹) (۴۰۰) (۴۰۱) (۴۰۲) (۴۰۳) (۴۰۴) (۴۰۵) (۴۰۶) (۴۰۷) (۴۰۸) (۴۰۹) (۴۱۰) (۴۱۱) (۴۱۲) (۴۱۳) (۴۱۴) (۴۱۵) (۴۱۶) (۴۱۷) (۴۱۸) (۴۱۹) (۴۲۰) (۴۲۱) (۴۲۲) (۴۲۳) (۴۲۴) (۴۲۵) (۴۲۶) (۴۲۷) (۴۲۸) (۴۲۹) (۴۳۰) (۴۳۱) (۴۳۲) (۴۳۳) (۴۳۴) (۴۳۵) (۴۳۶) (۴۳۷) (۴۳۸) (۴۳۹) (۴۴۰) (۴۴۱) (۴۴۲) (۴۴۳) (۴۴۴) (۴۴۵) (۴۴۶) (۴۴۷) (۴۴۸) (۴۴۹) (۴۵۰) (۴۵۱) (۴۵۲) (۴۵۳) (۴۵۴) (۴۵۵) (۴۵۶) (۴۵۷) (۴۵۸) (۴۵۹) (۴۶۰) (۴۶۱) (۴۶۲) (۴۶۳) (۴۶۴) (۴۶۵) (۴۶۶) (۴۶۷) (۴۶۸) (۴۶۹) (۴۷۰) (۴۷۱) (۴۷۲) (۴۷۳) (۴۷۴) (۴۷۵) (۴۷۶) (۴۷۷) (۴۷۸) (۴۷۹) (۴۸۰) (۴۸۱) (۴۸۲) (۴۸۳) (۴۸۴) (۴۸۵) (۴۸۶) (۴۸۷) (۴۸۸) (۴۸۹) (۴۹۰) (۴۹۱) (۴۹۲) (۴۹۳) (۴۹۴) (۴۹۵) (۴۹۶) (۴۹۷) (۴۹۸) (۴۹۹) (۵۰۰) (۵۰۱) (۵۰۲) (۵۰۳) (۵۰۴) (۵۰۵) (۵۰۶) (۵۰۷) (۵۰۸) (۵۰۹) (۵۱۰) (۵۱۱) (۵۱۲) (۵۱۳) (۵۱۴) (۵۱۵) (۵۱۶) (۵۱۷) (۵۱۸) (۵۱۹) (۵۲۰) (۵۲۱) (۵۲۲) (۵۲۳) (۵۲۴) (۵۲۵) (۵۲۶) (۵۲۷) (۵۲۸) (۵۲۹) (۵۳۰) (۵۳۱) (۵۳۲) (۵۳۳) (۵۳

4 (1) The Chief Minister and the other Ministers shall in respect of the respective residences and motor cars allotted for their use under section 8, be liable to pay the following charges, namely:—

(a) cost of petrol and oil required for their respective motor cars

(b) charges for the consumption of electricity and water for then respective residences except charges for the consumption of water for then respective gardens and

(c) such other minor charges as Government may by general or special order direct.

— اس کا سبب کلار ۲۷ ہے —

(b) each of the other Ministers shall be entitled to the use of a fully furnished residence in the City of Hyderabad without payment of rent and of one Government motor car without payment of any hire and to meet the charges payable by him under the said provisions shall also be entitled to an allowance at the rate of IG Rs 500 per month

اسی کلار کے درمے صف مسر صاحب کے لیے ہے وہ وہ کا الوں طلب کا گیا ہے
 وہ دسترس کے لیے (۵) وہ جس کے کہ وال میں صف مسر صاحب نے نہ
 دیا کہ جوئی چھوڑا ان اوورسی کی طرف سے اسی کا حانا ہے اور وہ دیا
 کہ اگر کسی ٹھہس جس ہو یوں نہ ہو کہ جاسکا ہے لیکن میرے دانا ہے کہ

(Principles) جس تھوس حرس سس ہوئی ہیں وہ سب السی و اس (Principles) کے ہیں ورجو حرس ورس کی طے سے جس کی سی ہے کی علف کی حاری ہے ساد ری ٹسلی میں ایسا ہی ہونا ہے لکن میں سمجھا ہوں کہ ناری ڈسٹور ایسٹ ہی کوئی حرس ہیں لکن ملک ورنہ گون کے حالات کا ہی حاد کہ رہا ہے اگر کی حرس صبح معلوم ہو سکو حاد سے جسے حاکم میں جمع سسرے کہا کہ حارے میں مکا ہوں و میں بھی میں لکن کے مل مدرس کہیں تو ہم چھوٹے مکان میں رہنے کے لیے بھی مارا ہیں و لسا میں بھی بھنے کے لیے مارا ہیں لکن ہم کہتے ہیں کہ ب دلکسا میں ہے و لسا میں ہیں ہنا و ملک ہنا میں کہ رہے اور ملک ہنا کے لاری ہی کے حارس آب (ہ) رو ونا سے سب کہتے ہو ہم نے ڈسٹور ایسٹ سے زیادہ سے میں کہہ دیک ح کہ گرسٹ ہے وہ سی گرسٹ ہے و ح طے سے لے سے حلے آ رہے ہیں لکن رکھا معہ ہیں ہے کہ سے میں مکا میں ہی ہی حارے کہ کہ حارے ملک کے حالات ہم نو کسرونگسی (Extramagancy) کی حارب ہیں دیے

دوسرے وہ کہ ہمیں کے معاملہ میں آگے سسرین کی معاد رہا رہی لی ہے اس جلد پر ہی میں عور کا اہوگا ورکی کی حارے میں میں جو میں

سری جسے میں مدال راڈ (سک و د معوط) میں میں سسرین سے زیادہ دی سسرین میں

سری ایسی راڈ گوائے ساد آمل بہ ورنہ کہتے کہ مدرس میں ہی زیادہ سسرین میں ہیں کہ میں (Criterion) رکھا حارے میں ہم میں کے لیے مارا ہیں لکن ساتھ ہی میں کہہ لگا کہ حال کے بعد کہ دیکھے وہاں کی اکم (Income) کو دیکھے اور جو حہ وہاں کے سسرین کا حارے میں کا بھی لحاظ رکھتے اگر ہم اسارے میں کہہ کہیں کہنا جانا ہے کہ اس کے لیے اس کا حارے اور حوی چھوٹا ل رہا ہے اٹھائے حارے میں میں کہہ کہ رہا ہے و حدارانہ میں آج ہا ہے لکن وہاں حسی اکامی ہ رہی ہے سیکے معلوم ہم کہیں و سکو نالی کی لیس کی حاری ہے برل جمع سسر صاحب لے وہ بھی کہا کہ ہرے لوس سے معلوم ہاوس میں جس کے کی حارے ب خود ایسی حری بہ و کرے جس رحب لڑے کا مع ملے حوالہ میں ہم نے ہر کا ہے اسکو دیکھا حارے نو معلوم ہوگا کہ ہر سا بہ ہر رو بہ کی کمی ہیں ہے ول فرسٹ ہاوس (Well furnished House) انک ی

*L.A. Bill No. VIII of 1932 a
Bill to provide for the allowances
of the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith*

لجاسکتے ہیں اور انی ہاؤس کے دروازے لیے حسابے دیا گیا ہے۔ لیکن نہ دیکھا جا رہا ہے کہ ملک کے مسہ لو ہاؤس بروس کے لیے سپہ کیا جا رہا ہے۔ چارل الکسس اور موسسل الکسس کے سلسلہ میں ایکو اسمبل بنا جا رہا ہے۔ میں نہیں جانتا کہ جس صرح عہدہ دار داری میں کرے میں سی طرح مسٹرین ہی ڈاری میں کرے میں نا ہیں اس طرح سے میں کہتا کہ عوام کے بسے کا حار اسمبل میں ہو رہا ہے لکہ اوکے سون ڈا عطا اسمبل ہو رہا ہے اسکے جلی نورے عوام - حاج کرے میں او اسمبل کی صوب میں اس اصحاب کو بس کرے روزی جس رہ حر واضح کرے میں ہر - ہر میں دوسرے ہالک کی مل کرے کی کوپس کی حال میں ہوکا دوسرے ہالک میں اسامی سا حالے انگلند میں وہاں کا ور اعظم انی ہاؤس کے دروازے لیے سی حاجی سا اسمبل را ہے لیو مسٹر ائی کے جلی میں ہے سا ہے کہ جب کہیں وہ حاجی دم کے لیے حالے میں و انی دای گاڑی اسمبل کرے میں اور انی اعلیٰ جود درا - لری ہے لیکن ہاں کا وناوا ادم ہی برالا ہے ہر حار کا حالے وہ حار ہوا نا حار حور ہدا کرے کی کسین کجالی ہے میں کہتا ہوں کہ انی دای ہاؤس میں ہے کون اب عاہہ کی گاڑی ایے ہ ہوں اسمبل کرے میں حار نہیں دی رس کے لیے آب کہ جانا ہ ہاں کون اب ایے - سے سے صرح میں کرے گا ہی و د کے سلسلہ میں کسی - الاب - کے میں رہے اصبر رہے ہی لنگی - ہاں لہو مال مصالحہ کی ضرورت میں ہے لیکن اسمبل کرنا جانا ہے اس طرح سے - م کے - میں در (Misuse) ہو رہا ہے اور ہاؤس الیہ سر سر مسٹرین سٹا حار اسمبل کر رہی ہے میں اسکے خلاف اصحاب کہتا ہے کہ ان ہاؤس میں مسٹرین کے مالی کام میں اب ڈیڈ میں کے لیے جوڑے ام لیا ہیں یہ اب اوے کام کن کرے میں میں کہ ڈیڈ کرنسی میں ہیں کی اب اسکے عادی ہیں میں اگر اب اسکے عادی ہوں و اسامی ہیں کرے

Shrimati Masooma Begum (Shalibanda) Mr Speaker
Sir, under clause 2 of this Bill 'Residence includes the staff quarters and other buildings appurtenant thereto and gardens thereof

After this there are charges for the consumption of electricity and water for their respective residences, except charges for the consumption of water for their respective gardens

Lastly as for the allowances I am of the opinion that when we have accepted that the salary and allowances of

12th July 1952

*L 1 Bill No VIII of 1952 a
Bill to provide for the allowances
of the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith*

جہاں کہہ میں کہ دہائی میں سر عورڈے میں نہ تھا سر نہ میں
کے میں کو کا جوہ دہائی میں ایک میں چہ کہ حذرآد کے میں
(عبد اعظم) کی جوہ میں حرار روہ ہا کی میں لیکن جب وہ ام میں
(Prime Ministership) میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
وہ میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
حرار لڈوہ حرار روہ میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
میں رکھا ایک میں کی میں کہ میں حذرآد کی میں ہوں ہوں ہوں ہوں
انسان میں اور عابہ میں لیے میں رکھا گیا میں ایک میں کہ میں
دی گہ میں کا ایک لاکھ میں حرار روہ کا میں عابہ ہوں ہوں ہوں ہوں
حرار روہ میں گیا میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
وہ کہ میں میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
ام میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں

اور ایک میں کہ میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
کہ میں اور میں وہ میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
کر ای کی میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
گورنٹ اور اسٹ کے کام میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
و ان میں (Non party men) میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
(Address) میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
کہ میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں

شری وی ڈی - ڈسپانڈے میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں

شری ام میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
میں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں
ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں ہوں

*L A Bill No XIII of 1952 a
Bill to provide for the allowances
of the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith*

ہاؤز میں لیے ہوئے ۲۵ روپے لکھے ہمارے بریل مسٹرس ۱۰ سمجھتے ہیں ۱۰ روپے
کلے ۲۰ روپے کا ہی ہوئے ہوئے نہ کہو گنا کہ سارے مار سو روپے ہی۔ لی جو
ح کچھے نہونکہ اگر کسی وزیر کو بریل کی رہا بدرفتاری ہے ۱۰ روپے
ہیں کہ نہ مار سو کو خاویا ہی نہ لگنا ۱۰ روپے اسے اسے ہی نہوں ۱۰ روپے ۱۰ روپے
پرد سب کچھے میں اسے سلیس میں ۱۰ روپے سوس کے نمسندس (Privileges)
میں کہے ہیں وہاں () سو کا نماد (Demand) مانگا ہے ۱۰ روپے
ہیں دیکھو سو روپے ہیں اگر کسی کو بریل زیادہ لگائے ہوئے (منہ)
ہے کہ وہ بے مارے مار سو کو خاویا ہی ۱۰ لکھے گرد ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰
مسٹر میں میں ہے ۱۰ روپے کرسی کے ہیں بریل کلے وہاں دو سو ہیں ۱۰ (۱۰)
رکھے گئے ہیں اور جب مسٹر لکھے (۱۰) دیے گئے مسٹر ۱۰ روپے جس سلسلے
ڈیو لڈی کا بدلہ اب کے سلسلے میں ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے
دکھ کی بات ہے کہ آرمیل میں کڑی سو لڈی کے دے کو سامنے رہے ہوئے ۱۰
معاذہ کرتے ہیں ہم بھی ۱۰ روپے ہیں کہ وراہٹ میں (Wise and just men)
ہوں سراج کو ہم سمجھتے ہیں لکھی کا اسے وراہٹ میں ۱۰ روپے ۱۰ روپے
ہیں وہ جب مسٹر میں ۱۰ روپے ہیں تو کہ نہ عرب نہیں کا ہی ۱۰ روپے ۱۰ روپے
کے درمیان ۱۰ روپے حاصل ہو سکتا ہے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے
انکے جو برہان ہیں ہیں سمجھتے ہیں ضرورت ہے جس پر مسٹر حاکم میں ہوئے ہیں
صاف بات ہے جس ماحول میں آرمیل میں کڑی آئے ہیں وہ جس ۱۰ روپے ۱۰ روپے
وہاں کے برڈس میں کو ہم ہیں کرسی لکھی ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے
ساہاب مجھے ہیں انکو بھی کالی کی کو سس ہوئی جاہے اس لحاظ سے میں جو سوج
ملا ہے جسے اسکو استعمال کیا جاں ہر سوج میں سو لڈی طر ۱۰ روپے ۱۰ روپے
میں صاف حاصل کرنا ہے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے
ہمارے سامنے ایک طرف سرور کے آدرس () ہیں اور دوسری طرف
سو لڈی کے آدرس ہیں ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے
سو لڈی میں کلاب ہوا طر آ رہا ہے میں خدا کا نام میں ہوئی ۱۰ روپے ۱۰ روپے
ہوں کہ سو لڈی کے بازار جلد سے جلد دور ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے
رکھے گئے ہیں ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے

انک اور بواس میں ہاؤس کے سامنے رکھا جا رہا ہوں انک آرمیل میں
۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے
ہیں انہوں نے کہا کہ حوینکہ اندو اسک براؤس میں نکم زیادہ ۱۰ روپے ۱۰ روپے
سٹری اور الوس ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے ۱۰ روپے

*I 4 Bill No VIII of 1952 a Bill
to provide for the allowances of
the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith*

21 July 1952

۱۔ کی جس ۱۰۰ روپے میں سمجھا ہوں کہ یہ نہیں ہے۔
۲۔ کسی حوالہ اور دوسرے خط مذکور کے لیے سورہہ ۱۰۰ کے
۳۔ کے ۱۰۰ روپے میں حوالہ ہے لیکن یہ حوالہ نہیں ہے۔
۴۔ (Ocupant) کو (Pay) کی ۱۰۰ روپے میں ملے ہوئے
۵۔ کے ۱۰۰ روپے میں

سری امجدی رائے گرواے رائے دے ہیں وہ دے دیے گئے ہیں کہ
۱۔ کے حساب میں ہو

سری رام کس رائے خان اگر آپ دیکھا ہے وہیں کو حساب میں آتا ہے
۲۔ (۲) گلی ڈالنا ہے کہ یہ دیکھ سکتے ہیں کہ یہ حوالہ
۳۔ ہو گئے ہیں کہ یہ دیکھ سکتے ہیں کہ یہ حوالہ ہو گئے ہیں کہ یہ حوالہ
۴۔ اس میں حوالہ نہیں لیکن یہ حوالہ ہے کہ میرے خان (۲) گلی ڈال
۵۔ میں حوالہ ہے کے لیے میں دیکھا ہوں

۱۔ میں نے حوالہ کے لیے میں نے دیکھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں
۲۔ میں نے اس کے ۱۰۰ روپے میں سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں
۳۔ میں نے سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں
۴۔ میں نے سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں
۵۔ میں نے سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں
۶۔ میں نے سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں
۷۔ میں نے سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں
۸۔ میں نے سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں
۹۔ میں نے سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں
۱۰۔ میں نے سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں سمجھا ہے کہ ۱۰۰ روپے میں

سری امجدی رائے گرواے کس نے کہا ہے کہ حساب میں کسے حساب

سری وی ڈی دیشا پٹے میں سمجھا ہوں کہ کسی سے نہیں ہا

*L 1 Bill No XIII of 1972 a Bill
to provide for the allowances of
the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith*

64 J 1, 1972 1907

مسٹر جی ہونڈی : سلسلہ میں مدرسہ لکھنؤ سبلی ل کالاج (ج) میں ہر
سب سے زیادہ ہے

The State Government may from time to time provide suitable conveyances for the use of the Ministers the Speaker and the Chairman subject to such Rules regarding their maintenance and repair as may be made by the State Government

ہاں کی کہہ سکتے ہیں کہ اس میں خود رولس میں لکھتے ہیں کہ اس کی سہولتیں دے
کے جس سے وہ رہے اس کے بارے میں رولس میں ہے میں اس کا کیا ہے ہاں کہ اس
رولس تو دیکھیں دوسری جگہ بھی کہہ سکتے ہیں کہ رولس میں دیکھیں کہ اس کی سہولتیں دے
میں وہاں بھی رہے وہ جس کے بارے میں رولس میں ہے اس کا حساب دے گا ہے
سے ناؤں کو جس کے ساتھ نہ کہے ہوئے اس ڈیمانڈ کو اصل میں پس کیا ہے
بہ لوی سب سے بات ہے کہ اس میں کسی ناؤں کا حساب ہو اور نہ میں نہ
کہہ رہا ہوں کہ اس میں کوئی خاص اثر ہو (Ulterior Motive) ہے
تک نہیں مہرے مہرے تک لفظ ہے فائدہ اٹھائے ہوئے ہے جس میں ہو نا
ہوں گے کیا کہ

مسٹر اسپیکر : ان آرٹیکل میں لکھا ہے کہ انہوں نے اس کہا ہے

سرکاری رام کس رائڈ : اگلی پارلیمنٹ کے لیے نہ سب سے زیادہ چاہا رہا ہے لیکن
سب سے زیادہ آرٹیکل میں لکھا ہے اس کا علم ہے جو سب سے زیادہ ہے
میں کیا کی گئی ہے کہ سب سے زیادہ پر جائے میں تو سب سے زیادہ کے سلسلہ میں
میں نہیں کہہ سکتے ہیں کہ یہ سب سے زیادہ میں لکھا ہوا ہے اس کی طرح میں
الکسی کی خاطر اگر کوئی سب سے زیادہ کہے تو فائدہ ہے خاص لکس میں
(Election Purposes) کے لیے اگر سب سے زیادہ میں تو ہاں کی گاڑی اور ہاں
تا پارلیمنٹ میں میں اس کو بھی مانا ہوا ہے کہ میں ہاں کی گاڑی میں
ہے پھر بھی پارلیمنٹ کا حرج نہیں ہو سکتی ہے وہ ہرگز سب سے زیادہ کہہ سکتے ہیں کہ
میں اس کا بار ڈال جائے ۔

میں سمجھتا ہوں آپوزیشن کے آرٹیکل میں لکھا ہے کہ انہوں نے سب سے زیادہ لکھی و
طبع نہ بھی اچھی ہوں اچھی سب سے زیادہ میں ہوں میں اوپر دوسروں سے اچھی کروں گا
تو اس سب سے زیادہ کے سب سے زیادہ کو ووٹ کے لیے رکھے میں واپس لے لیں اور
میں کے ساتھ اس بل کو پاس کریں اگر ایسا ہو تو آپس کے دوستوں کے ساتھ
ایک تک سب سے زیادہ ہوگا

1806 24th July 1952

*L. 4 Bill N. XIII of 1952 a
Bill to provide for the allowances
of the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad for better
conduct thereof*

Mr. Speaker: I shall now put the amendments to vote

Shri Annaji Rao Gavane: *Mr. Speaker:* Sir I want my amendment to be put to vote

Mr. Speaker: The Question is

That for the figure 700 in line 5 of sub clause (a) of clause 8 the figure 850 be substituted

The motion was negatived

Shri Annaji Rao Gavane: *Mr. Speaker:* Sir I beg leave of the House to withdraw my amendment viz

That the words fully furnished in lines 1 and 2 of sub clause (b) of clause 8 be omitted

The amendment was by leave of the House withdrawn

Shri Annaji Rao Gavane: *Mr. Speaker:* Sir I want my other amendment to be put to vote

Mr. Speaker: The Question is

That for the figure 500 in line 5 of sub clause (b) of clause 8 the figure 200 be substituted

The motion was negatived

Shri A. Raja Reddy: *Mr. Speaker:* Sir I want my amendment to be put to vote

Mr. Speaker: The Question is

That for clause 8 the following be substituted namely

8 Throughout the term of office the Chief Minister and each of the other Ministers of the State of Hyderabad shall be paid —

(a) a house allowance at the rate of Rs 250 I G per month provided that such allowance shall not be paid to any Minister if such Minister is provided by the Government

*L-1 Bill No XIII of 1952 a Bill
to provide for the allowances of
the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith*

5th July 1952 1307

with a furnished house without payment of rent or any assessment tax rate or cess due to Government or any local authority and

(b) an allowance for the maintenance of a motor car at the rate of Rs 250 I G per month for purposes of petrol and oil

(c) all other charges for the maintenance and upkeep of such residences and motor cars including the cost of repairs thereof the salaries and allowances of the drivers and cleaners of such motor cars rates and taxes and all expenditure for the lay out and the maintenance of the gardens included in such residences shall be borne by Government

The Motion was negatived

Shri A Raja Reddy Mr Speaker, Sir I beg leave of the House to withdraw my amendment namely

That clause 4 of the Bill be deleted

The amendment was by leave of the House withdrawn

Mr Speaker The Question is

That clause 8 stand part of the Bill

The motion was adopted

Clause 8 was added to the Bill

Mr Speaker The Question is

"That clause 4 stand part of the Bill

The motion was adopted

Clause 4 was added to the Bill

Mr Speaker The Question is

"That Clause 2 (Definitions) stand part of the Bill"

The motion was adopted

Clause 2 (Definitions) was added to the Bill

1208 3th July 1952

*L A Bill No XIII of 1952 a Bill
to provide for the allowances of
the Chief Minister and other
Ministers of the State of
Hyderabad and for matters
connected therewith*

Mr Speaker The Question is

That the short title commencement and preamble stand part of the Bill

The motion was adopted

The short title commencement and preamble were added to the Bill

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That L A Bill No XIII of 1952 be read a third time and passed

Mr Speaker The Question is

That L A Bill No XIII of 1952 be read a third time and passed

The motion was adopted

The House then adjourned till Two of the Clock on Monday the 7th July 1952
